13 जुलाई 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सिपाही बहाली में मेडिकल के नाम रिश्वत लेते पीटीसी समेत तीन प्रशिक्षु गिरफ्तार 2

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही सरकार: योगी

एजेंसी/लखनऊ

♦ छांगुर बाबा पर केस दर्ज कर ईडी ने उसके खिलाफ शुरू कर दी जांच

छांगुर बाबा की गिरफ़्तारी से यूपी में अवैध धर्मांतरण के एक बड़े नेटवर्क का पता चला है। यूपी की एटीएस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। उसकी सहयोगी नीतू उर्फ ४८सरीन के बलरामपुर वाले घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी छांगुर बाबा पर केस दर्ज कर उसके खिलाफ जांच शुरू कर दी है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद लगातार केस के अपडेट ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि हर दिन वह डीजीपी राजीव कृष्णा और गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद से इस केस को लेकर ब्रीफिंग लेते हैं।

वहीं, सीएम योगी अपने भाषणों में छांगुर बाबा को जल्लाद कहा है। उनका दावा है कि इससे जुड़े सभी लोग जेल जाएंगे। शनिवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यूपी सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। कुछ ताकतें योजनाबद्ध तरीके से देश के स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रही हैं। यह समाज को तोड़ने और धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। सीएम ने कहा कि ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है। अनुसूचित जाति के लोगों को लालच और भय के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो संविधान और सामाजिक समरसता के खिलाफ है।

अवैध धर्मांतरण के लिए रेट तय करने का मामला उजागर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। सरकार ने हाल ही में बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने के लिए विदेशों से धन प्राप्त करने वाले एक नेटवर्क का पदार्फाश किया गया। इस कार्रवाई में अवैध धर्मांतरण के लिए रेट तय करने का मामला उजागर किया गया। अब तक 40 खातों में 100 करोड़ से अधिक का लेन-देन पाया गया है। यह आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। छांगुर बाबा पर आरोप है कि उसने धोखे से कई हिंदुओं को मुसलमान बनाय इनमें से कुछ लोगों की घरवापसी भी हो गई है। सीएम योगी इस मुद्दे पर खुलकर बयान दे रहे हैं और दलितों का ज़िक्र कर रहे हैं। दरअसल बीते लोकसभा चुनाव में बीजेपी को ओबीसी वोटों का बड़ा नुकसान हुआ था। दलितों में भी संविधान बचाने वाले विपक्ष के मुद्दे का असर देखा गया। मायावती की पार्टी बीएसपी को तो इसका फायदा नहीं हुआ, लेकिन घाटे में बीजेपी रही। तभी से सीएम आक्रामक हिंदुत्व के एजेंडे पर हैं।

मधुबनी में डायल 112 की गाड़ी ने दो किशोरों को कुचला, ग्रामीणों ने काटा बवाल

केटी न्यूज/पटना

मधुबनी के मधवापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिरौखर गांव के पास एनएच-527सी पुल पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें डायल 112 पुलिस गाड़ी की टक्कर से दो किशोरों की मौत हो गई। मृतक दोनों किशोर सीतामढ़ी जिले के पुपरी थाना क्षेत्र के सिंगियाही गांव के रहने वाले थे। मृतक की पहचान राज किशोर कुमार उर्फ छोटू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, तो वहीं दूसरे सचिन कुमार, पिता जीतन मुखिया की सीतामढ़ी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

घटना को लेकर मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि डायल 112 के टीम के पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरोधी एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार की सुबह लगभग 4:30 बजे के आसपास हुआ, जब दोनों किशोर पल्सर बाइक से चोरौत की ओर से पुपरी जा रहे थे, इस दौरान डायल 112 की पुलिस गाड़ी में चंद्रमोहन सिंह उर्फ क्रांति सिंह मौजूद थे और गुप्त सूचना के आधार पर शराब तस्करी के मामले उनका पीछा किया जा रहा था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया

मोदी सरकार ने देश और दुनिया में किए है कई बदलाव : गृह मंत्री

♦ बोले अमित शाह... कृषि बजट 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विपक्ष को आड़े हाथ लिया। इसमें उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कई बातें कहीं। उन्होंने सरकार के काम, चुनावी रणनीति और दक्षिणी राज्यों से जुड़े मुद्दों पर बात की। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश और दुनिया में कई बदलाव किए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार के काम का जिक्र किया।

इस दौरान उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर भी रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि बिहार के साथ-साथ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव भी हमारे पक्ष में हैं। अमित शाह ने इस सवाल के जवाब में कहा कि 2014 से पहले भारत के भविष्य को लेकर लोगों में शक था। पत्रकारों, वैज्ञानिकों, छात्रों, किसानों और कारोबारियों को भी चिंता थी। पूरी दुनिया को लगता था कि भारत का भविष्य अच्छा नहीं है। पीएम मोदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों का विश्वास वापस दिलाना था। आज 140 करोड़ लोगों को लगता है कि भारत 2047 तक विकसित देश बन सकता है।

चीन में शिक्षा लगभग मुफ्त है और लाखों छात्र रिसर्च कर रहे है: शाह ने कहा कि दुनिया भी भारत को तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मानती है। पिछले 11 सालों में यह सबसे बड़ा बदलाव है। हर क्षेत्र में सुधार हुआ है। चाहे वो अनाज उत्पादन हो, अंतरिक्ष में तरक्की हो, उद्योग हो, सुरक्षा हो, विदेश नीति हो या भ्रष्टाचार कम करना हो। शिक्षा और स्वास्थ्य के सवाल पर अमित शाह ने चीन की शिक्षा और स्वास्थ्य में तरक्की का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन में शिक्षा लगभग मुफ्त है और लाखों छात्र रिसर्च कर रहे हैं। भारत में ये सब 2014 में शुरू हुआ। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने इतने सालों में क्या किया? अगर उन्होंने पहले से काम शुरू किया होता तो इतना काम नहीं बचा रहता। उन्होंने कहा कि भारत में आय में असमानता अभी भी बहुत ज्यादा है। भारत अभी तक पूरी तरह से मध्यम आय वाला देश भी नहीं बन पाया है। उन्होंने कुछ आंकड़े दिए और बताया कि 2014 में स्वास्थ्य बजट 37,000 करोड़ रुपये था, जो अब एक लाख करोड़ रुपये है।

पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज चालू: अमित शाह ने कहा कि कृषि बजट 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर बजट 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पिछले 10 साल में सरकार ने 60 करोड़ गरीब लोगों को घर, गैस, बिजली, पानी, 5 किलो मुफ्त राशन और 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया है। इससे 14 करोड़ परिवारों को बुनियादी जरूरतों से मुक्ति मिली है। उन्होंने पिछली सरकारों पर अटैक करते हुए कहा कि पहले सिर्फ नारे लगाए जाते थे, लेकिन काम नहीं होता था।

भाषा विवाद पर शाह ने तोड़ी चुप्पी: भाषा विवाद पर अमित शाह ने रिएक्ट किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाषा को लेकर कोई लड़ाई नहीं है। देश को भारतीय भाषाओं में चलना चाहिए। उन्होंने चीन, रूस, जापान, जर्मनी और फ्रांस से सीखने की बात कही। सरकार सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करती है। दक्षिण भारत को अपनी भाषाओं में चलना चाहिए। दो राज्यों को तेलुगु में, तमिलनाडु को तमिल में और केरल को मलयालम में काम करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी की स्थिति वहां अलग है। शाह ने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ कांस्टेबल जीडी की परीक्षा 13 भाषाओं में कराई है। जेईई, एनईईटी और यूजीसी की परीक्षाएं 12 भाषाओं में होती हैं। एनईपी में प्राथमिक, तकनीकी और मेडिकल शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में देने का प्रावधान है।

बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल में बीजेपी अच्छा प्रदर्शन करेगी: आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी की तैयारियों का जिक्र किया। शाह ने कहा कि बीजेपी बिहार, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में अच्छा प्रदर्शन करेगी। असम में भी उनकी पार्टी फिर से जीतेगी। उन्होंने ऐलान किया कि तमिलनाडु में एआईएडीएमके और बीजेपी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी भारी बहुमत से जीतेगी। तमिलनाडु के लोग भ्रष्टाचार, खराब कानून व्यवस्था, भाई-भतीजावाद और पारिवारिक झगड़ों से तंग आ चुके हैं। अमित शाह ने कहा कि अगर उनकी पार्टी तमिलनाडु में जीतती है तो वो सरकार में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वो दूसरी पार्टियों को भी साथ लाने की कोशिश करेंगे। तमिलनाडु में सबसे बड़ा मुद्दा डीएमके का भ्रष्टाचार है।

सीमा पार करने के मामले में छह बांग्लादेशी एवं दो भारतीय दलाल गिरफ्तार, नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

एजेंसी/नई दिल्ली

त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर शुक्रवार को अवैध घुसपैठ की गई। मामले में बीएसएफ ने उत्तर त्रिपुरा के धर्मनगर स्थित अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल पर जांच के दौरान छह संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों और उनके दो भारतीय मददगारों को पकड़ा। सभी संदिग्धों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया।

धर्मनगर थाने के प्रभारी श्रीकांत बर्धन ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि छह में से चार व्यक्ति बांग्लादेश के नागरिक हैं और उनके पास भारत में प्रवेश के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। वहीं बाकी दो भारतीय नागरिकों ने इन घुसपैठियों को भारत में दाखिल कराने और धर्मनगर तक पहुंचाने में मदद की थी। पुलिस ने सभी आठ आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि ये घुसपैठिए भारत में किस मकसद से आए थे और इनके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। इसी दिन की एक दूसरी घटना में, पश्चिम त्रिपुरा के सिधाई थाना क्षेत्र के बेलफुंग इलाके से दो और बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। वो एक वाहन में सवार होकर सिधाई से खोवाई जा रहे थे। पुलिस ने इन्हें भी कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और जांच जारी है। इन घटनाओं ने राज्य की सीमाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार हो रही घुसपैठों को लेकर बीएसएफ ने निगरानी और सख्ती बढ़ाने की बात कही है। स्थानीय लोग भी इन घटनाओं से चिंतित हैं और प्रशासन से सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

पटना में फायरिंग से मची अफरातफरी

केटी न्यूज/पटना

राजधानी के कंकड़बाग थाना क्षेत्र स्थित एफ सेक्टर पार्क में शनिवार शाम करीब 6:30 बजे बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी पर सवार दो अपराधी पार्क के अंदर दाखिल हुए और करीब 5 से 6 राउंड गोलियां चलाईं।

इस अचानक हुई गोलीबारी से पार्क में अफरातफरी मच गई और वहां मौजूद लोग जान बचाकर भाग निकले। देखते ही देखते पूरा पार्क खाली हो गया। चश्मदीदों का कहना है कि बदमाश स्कूटी पार्किंग में खड़ी कर पार्क में घुसे और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। कुछ लोग स्थिति को समझे बिना शोर मचाने लगे, जिससे घबराकर अपराधी स्कूटी पर सवार होकर फरार हो गए।

खोखे और एक पिस्टल बरामद: घटना की सूचना मिलने पर कंकड़बाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। घटनास्थल से गोलियों के खोखे और

एक पिस्टल बरामद की गई है, जिसे बदमाश मौके पर ही फेंककर भाग गए थे। कुछ स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश भी की, लेकिन उनके पास हथियार देखकर पीछे हट गए। कंकड़बाग थानाध्यक्ष ने बताया कि आसपास लगे उच्च कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और फायरिंग की असली वजह जानने की कोशिश की जा रही है।

यौन उत्पीड़न की शिकायत पर नहीं हुआ एक्शन, छात्रा ने कॉलेज में किया आत्मदाह

एजेंसी/भुवनेश्वर

ओडिशा के बालासोर जिले के एक महाविद्यालय की छात्रा ने यौन उत्पीड़न से हारकर शनिवार को कथित तौर पर शैक्षणिक संस्थान परिसर में खुद को आग लगा ली।

घटना में छात्रा 90 प्रतिशत तक जल गई है। छात्रा ने एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। छात्रा को बचाने का प्रयास करने वाला एक अन्य छात्र भी झुलस गया है और दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया है। बाद में छात्रा को बेहतर इलाज के लिए एम्स भुवनेश्वर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार दोपहर तब हुई, जब पीड़ित छात्रा ने बालासोर स्थित फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज के प्राचार्य दिलीप घोष से मुलाकात की। उसने पहले एक शिक्षक, जो विभागाध्यक्ष भी हैं, के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी और मामले में कार्रवाई की मांग की थी। अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता कॉलेज में एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष की छात्रा है। उसने शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एक हफ्ते तक कॉलेज परिसर में धरना भी दिया था। प्राचार्य दिलीप घोष ने कहा कि छात्रा मेरे पास आई थी और शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई चाहती थी।

चिराग के सवाल का मांझी ने दिया करारा जवाब

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर एनडीए में घमासान तेज हो गया है। विपक्ष के साथ साथ सरकार में शामिल लोजपा (रा) के द्वारा अपराध को लेकर सरकार पर सवाल उठाने के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जवाब दिया है। जीतन राम मांझी ने चिराग पासवान को नसीहत दी है कि गुड़ खाकर गुडम्मा से परहेज ठीक नहीं है। दरअसल, बिहार में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान पर एक बार फिर एनडीए की सहयोगी पार्टी हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने तंज कसा है। चिराग द्वारा नीतीश सरकार पर अपराध को लेकर निशाना साधे जाने के बाद मांझी ने इसे अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें आड़े हाथों लिया।

शनिवार को एक्स पर किए गए पोस्ट में मांझी ने लिखा कि अपराध करवाएं राजद वाले, तोहमत लगे सरकार पर, वाह रे गठबंधन धर्म। हमारे यहां एक कहावत है, गुड़ खाते हैं, गुड़अम्मे से परहेज, यह ठीक नहीं। मांझी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास में माफियाओं की मेहमाननवाजी नहीं होती, बल्कि उन्हें ठोक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार में रहकर ही उस पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें गठबंधन धर्म का पालन करना चाहिए। यह बयान चिराग पासवान के उस ट्वीट के कुछ घंटे बाद आया, जिसमें उन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर सवाल उठाए थे। चिराग ने लिखा था कि बिहारी अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेंगे? समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है? बता दें कि चिराग पासवान और जीतनराम मांझी के बीच हाल के दिनों में कई मुद्दों पर मतभेद सामने आए हैं। दलित राजनीति से लेकर सरकार के कामकाज तक पर दोनों नेता सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर टिप्पणी कर चुके हैं। पिछले दिनों चिराग ने मांझी को पिता तुल्य बताकर रिश्तों में सुधार की कोशिश की थी, मगर हालिया घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि मतभेद अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं।

श्रावण माह में सीएम योगी के निर्देश पर डीजीपी बनाया प्लान, बोले डीजीपी...

40,000 सीसीटीवी कैमरे और 400 ड्रोन किए गए हैं तैनात

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सावन महीने की शुरूआत के साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने यात्रा की सुरक्षा, ट्रैफिक और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर किए गए प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि पूरे मेरठ जोन में ट्रैफिक एडवाइजरी स्कीम लागू की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है। 40,000 सीसीटीवी कैमरे और 400 ड्रोन तैनात किए गए हैं। इनमें से कई कैमरे एआई सक्षम हैं, जो डेंसिटी मैपिंग और फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) की मदद से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। एएनपीआर कैमरों की मदद से वाहनों के नंबरों को पढ़कर संदिग्ध वाहनों की पहचान की जा रही है। डीजीपी ने बताया कि इन सभी उपकरणों की लाइव फीड जोनल हेडक्वार्टर में मॉनिटर की जा रही है। डीजीपी राजीव कृष्ण सुरक्षा के लिए 50 कंपनियां और स्थानीय पुलिस बल मिलाकर कुल 45,000 जवान तैनात किए गए हैं। हर एक किलोमीटर पर दो पुलिसकर्मियों को मोटरसाइकिल पर तैनात किया गया है। 60 अस्थायी पुलिस चौकियां संवेदनशील स्थानों पर बनाई गई हैं और हर शिवालय पर एक थाना स्थापित किया गया है। हर जिले में क्विक रिस्पॉन्स टीम भी लगाई गई है। राजीव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया कि नदी और नहरों के घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोर तैनात किए गए हैं। सभी घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और होल्डिंग एरिया की व्यवस्था की गई है। कांवड़ शिविरों और शिवालयों पर बम निरोधक दस्ते द्वारा नियमित जांच की जा रही है।

सिपाही बहाली में मेडिकल के नाम रिश्वत लेते पीटीसी समेत तीन प्रशिक्षु गिरफ्तार

- 13.50 लाख नगद के साथ 1.60 लाख ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के मिले सबूत
- शिकायत मिलने पर एसपी ने गुप्त सूचना पर की कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में रिश्वतखोरी के एक मामले से पुलिस महकमे को शर्मसार कर दिया है। रिश्वतखोरी के आरोप में एक पीटीसी व तीन जवानों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 3.50 लाख नगद रुपए, 1.60 लाख रुपए के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के सबूत समेत अबतक 5.10 लाख रुपए रिश्वत लेने की जानकारी मिली है। जबकि जांच प्रक्रिया अभी जारी है। खास यह कि रिश्वतखोरी का यह खेल पुलिस लाइन में चल रहा था तथा पुलिस भर्ती के लिए आए अभ्यर्थियों को ही इसका शिकार बनना पड़ रहा था। इसी दौरान किसी ने इसकी शिकायत एसपी शुभम आर्य से कर दी।

जानकारी मिलते ही एसपी ने तत्काल सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर जांच करने का निर्देश दिया। गठित टीम ने आरोपों को सत्य पाया तथा एक पीटीसी आदित्य कुमार समेत तीन अन्य प्रशिक्षु सिपाहियों को रंगेहाथ धर दबोचा गया। सभी ने अपने अपराध भी एसपी के समक्ष स्वीकार कर लिये है। इस घटना की जानकारी मिलते ही महकमा शर्मसार हो गया। वहीं, सिपाही बहाली प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे है। ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है। जल्द ही अन्य दोषियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में इसकी जांच करायी जा रही है। इसमें कौन-कौन दोषी है। इसकी पहचान कर रही है।

रि-मेडिकल के नाम पर लिए रहा थे 10 हजार

मिली जानकारी के अनुसार पीटीसी आदित्य के नेतृत्व में तीनों प्रशिक्षु जवान सिपाही भर्ती में मेडिकल अनफिट हुए अभ्यर्थियों को रि-मेडिकल में पास कराने के नाम पर प्रत्येक अभ्यर्थी से 10-10 हजार रूपए वसूले जा रहे थे। इसी दौरान किसी अभ्यर्थी के अभिभावक ने इसकी शिकायत एसपी से कर दी और मामले से पर्दा उठ गया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस महकमा सतर्क हो गया है तथा बहाली को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जांच को तेज कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच में पीटीसी आदित्य तथा जवानों द्वारा कुल 5 लाख 10 हजार रुपये की उगाही किए जाने की पुष्टि हुई है।इसमें से 3.50 लाख रुपये की राशि नगद ली गई, जबकि शेष 1.60 लाख रुपये डिजिटल माध्यम से प्राप्त की गई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस कार्य में तीन प्रशिक्षु भी संलिप्त थे, जिन्होंने सीधे अभ्यर्थियों से राशि लेकर उन्हें मेडिकल में फिट कराए जाने का झांसा दिया था। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और तीनों प्रशिक्षुओं को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसपी ने साफ शब्दों में कहा कि बहाली प्रक्रिया में पारदर्शिता और ईमानदारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एक नजर

प्रत्येक सोमवारी को रामरेखा घाट पर करें एसडीआरएफ की तैनाती : जिलाधिकारी

बक्सर। गंगा नदी के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह ने शनिवार को रामरेखा घाट पहुंच सुरक्षा के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया तथा मातहतों को कई आवश्यक निर्देश दिए।वर्तमान में गंगा नदी का जलस्तर 56.56 मीटर है तथा स्थिति सामान्य है। बता दें कि चेतावनी बिंदू 59.32 मीटर तथा खतरे का निशान 60.32 मीटर है। बनारस एवं प्रयागराज में गंगा का पानी स्थिर होने लगा है। जिससे बक्सर में भी रविवार तक जल स्तर के स्थिर होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बावजूद डीएम ने लोगों से एहतियात बरतने की नसीहत दी तथा लोगों से गंगा घाटों से दूर रहने की अपील की। डीएम ने श्रावणी मेला को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, अंचलाधिकारी बक्सर, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को सभी घाटों की पर्याप्त साफ सफाई कराने का निर्देश दिया गया। ताकी, सावन महीने में श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।जबकि प्रभारी पदाधिकारी जिला आपदा शाखा को निर्देश दिया गया कि रामरेखा घाट एवं प्रमुख घाटों पर एसडीआरएफ टीम को विशेष तौर पर सोमवार के दिन प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत ब्रह्मपुर, अंचल अधिकारी ब्रह्मपुर, प्रखंड विकास पदाधिकारी ब्रह्मपुर को ब्रह्मपुर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा सख्त निर्देश दिया गया कि गंगा नदी में नावों पर ओवर लोडिंग न किया जाय, इस संबंध में संबंधित पदाधिकारी आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। श्रावणी मेला के अवसर पर सभी प्रमुख घाटों पर बैरिकेडिंग, अस्थाई सीसीटीवी, कैमरा चेंजिंग रूम एवं कंट्रोल रूम बनाने आदि का निर्देश संबंधित कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय को दिया गया।

सावन उत्सव की रंगारंग शुरूआत, लोक संस्कृति को संजीवनी देने का प्रयास

डुमरांव। जन शिक्षण संस्थान केंद्र में सावन की शुरूआत पर पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक समर्पण के साथ सावन उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक मधु सिंह ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान केवल व्यावसायिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्था सामाजिक जागरूकता, लोक संस्कृति के संरक्षण और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सावन उत्सव इसी कड़ी का एक हिस्सा है, जिसमें पारंपरिक झूला, मेहंदी, लोकगीतों और स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे सावन मास के दौरान जन शिक्षण संस्थान के विभिन्न केंद्रों पर क्षेत्रीय संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाले आयोजन किए जाएंगे, जिनमें महिलाओं और युवतियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

संदेहास्पद स्थिति में युवक की मौत, हत्या की आशंका

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के बाबू डेरा गांव के एक युवक की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई है। उसके पेट में जख्म के निशान मिले है, जिससे उसे नजदीक से गोली मारने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, घटनास्थल के पास के खून नहीं गिरे है, बल्कि पेट के पास जहां जख्म के निशान है वहां जलने जैसा प्रतीत हो रहा है। जिससे मामला संदेहास्पद बन गया है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने ब्रह्मपुर चौरस्ता के पास सड़क जाम कर दिया है। मौके पर स्थानीय पुलिस के अलावा डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी तथा एफ एस एल की टीम पहुंची है। मृतक की पहचान बाबूडेरा गांव निवासी नंदजी यादव के 25 वर्षीय पुत्र लल्लू यादव के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि वह ऑटो रिक्शा भी चलाता था। मिली जानकारी के अनुसार वह शुक्रवार की देर शाम घर से खाना खाकर खेत की पटवन करने के लिए निकला था, लेकिन सुबह में वह खेत में ही मृत अवस्था में पड़ा मिला। वह रात में खेत की पटवन करने के बाद मचान पर सो रहा था, लेकिन रात में ही उसकी हत्या कर दी गई है। सुबह शौच के लिए निकले ग्रामीणों की जब उसपर नजर पड़ी तो उसके स्वजनों को इस घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे घर की महिलाओं तथा पुरुष सदस्यों के क्रंदन चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। स्वजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताया।

नंदन कन्या हाई स्कूल में अचानक बीमार पड़ी दर्जनभर छात्राएं, चल रहा इलाज

विद्यालय में अचानक छात्राएं हुई बेहोश अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर मिले गायब

- सुबह चेतना सत्र के बाद ही बिगड़ने लगी थी छात्राओं की तबीयत
- छात्राओं के बीमार पड़ने से खुली अनुमंडलीय अस्पताल की कलई

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के नंदन गांव स्थित उत्क्रमित कन्या उच्च विद्यालय की दर्जनभर छात्राएं अचानक रहस्यमयी बीमारी की चपेट में आ गई। इसकी जानकारी मिलते ही शिक्षकों में हड़कंप मच गया। शिक्षकों ने उनके अभिभावकों को जानकारी दी तथा गंभीर रूप से बीमार आधा दर्जन छात्राओं को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, वहीं, कुछ छात्राओं का इलाज स्थानीय स्तर पर भी कराए जाने की जानकारी मिली है। बीमार होने वाली सभी छात्राएं वर्ग नौ में पढ़ती है।

मिली जानकारी के अनुसार सुबह में चेतना सत्र के बाद छात्राएं अचानक बीमार हो गई। सभी पेट व माथा दर्द की शिकायत कर रही थी तथा बेहोश हो जा रही थी। जिन छात्राओं को अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया उनमें नेहा कुमारी, अंजली कुमारी, सुमन कुमारी, सुमंती कुमारी, ज्योति कुमार व निशा कुमारी शामिल है। इसके अलावे कुछ छात्राओं को गांव के एक निजी अस्पताल में भी इलाज करवाया गया।

उनका इलाज करने वाले अनुमंडलीय अस्पताल के डॉक्टर बिरेन्द्र राम ने बताया कि सभी तेज माथा दर्द व पेट दर्द की शिकायत कर रही थी। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि छात्राओं में कौन सी बीमारी है। हालांकि, उनकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया है।

वहीं, विद्यालय के प्रधानाध्यापक ईश्वर चंद प्रसाद, शिक्षक नवनीत श्रीवास्तव, रविकांत अतुल्य, सीके पांडेय आदि ने बताया कि चेतना सत्र के बाद अचानक सभी छात्राएं बीमार हो गई। जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। इस घटना के बाद स्कूल में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया था।

वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार तत्काल अस्पताल पहुंच छात्राओं की स्थिति का जायजा लिए। इस दौरान एक एंबुलेंस चालक की लापरवाही पर वे खासे नाराज हो गए तथा उस पर कार्रवाई करने का निर्देश डीएस को दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। उनपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उजागर हुई अनुमंडलीय अस्पताल की लचर व्यवस्था : कन्या उच्च विद्यालय नंदन की छात्राओं के अचानक बीमार पड़ने से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल की लचर कार्यशैली व डॉक्टरों की लेटलतीफी की पोल खुल गई। अस्पताल में मात्र एक डॉक्टर बिरेन्द्र कुमार मौजूद थे, जो मरीजों का बड़ी कुशलता से इलाज कर रहे थे। वहीं, बीमार छात्राओं का प्राथमिक इलाज भी उन्होंने ने ही किया। जबकि शनिवार को रोस्टर के अनुसार उनके साथ डॉ. सतीश कुमार व डॉ. लोकेश कुमार की ड्यूटि भी थी। लेकिन, डॉ. सतीश कुमार सुबह 11 बजे से पहले ही गायब हो गए थे, वहीं, डॉ. लोकेश बिना किसी सूचना ड्यूटि से गायब थे। जबकि छात्राओं का हाल चाल जानने खुद डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार पहुंचे थे।

अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ. गिरीश सिंह ने डॉक्टरों के इस लापरवाही को काफी गंभीर माना है तथा ड्यूटि से गायब रहने वाले डॉ. सतीश कुमार व डॉ. लोकेश कुमार से शो-काज पूछा है।

क्या कहते है अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक : बीमार छात्राओं का लक्षण के आधार पर प्राथमिक इलाज किया गया। छात्राएं किस कारण बीमार हुई थी, यह विशेष जांच तथा उनके सामान्य होने के बाद काउंसलिंग करने पर पता चल पाएगा। फिलहाल सभी छात्राएं खतरे से बाहर है। - **डॉ. गिरीश कुमार सिंह, अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक**

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी की विदाई पर छलके भावनाएं, पीडीएस में लाया था उत्कृष्टता

केटी न्यूज/डुमरांव

जन वितरण प्रणाली में अनुशासन, पारदर्शिता और तकनीकी समन्वय के लिए याद किए जाने वाले प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला सहायक आपूर्ति पदाधिकारी विजय शंकर तिवारी के तबादले पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। यह आयोजन न केवल एक औपचारिक विदाई था, बल्कि भावनाओं का ऐसा संगम भी बना जिसमें उनके चार वर्षों से अधिक के सेवाकाल की झलक स्पष्ट दिखी। समारोह की अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष भूटेश्वर सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम राकेश कुमार और बीडीओ संदीप कुमार पांडेय मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मंच संचालक अमित कुमार के संयोजित शब्दों से हुई। मंच संचालक अमित कुमार ने एमओ के कार्यकाल की उपलब्धियों और उनके सादगीपूर्ण व्यवहार की सराहना की। वहीं इन भावनाओं के संगम में भावविभोर एमओ विजय शंकर तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि यहां कैसे साढ़े चार साल बीत गए, इसका अंदाजा नहीं चला। यहां की टीम, विशेषकर जन वितरण प्रणाली डीलरों का सहयोग ऐसा था कि कोई भी कार्य कठिन नहीं लगा।

हार्डवेयर दुकान से 70 हजार नगद व चांदी के सिक्के की चोरी

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के तियारा बाजार स्थित एक हार्डवेयर दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर लगभग 70 हजार रुपये नगद और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। घटना माँ चंडी इंटरप्राइजेज नामक अल्युमिनियम व हार्डवेयर दुकान में घटित हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान के ऊपर लगे शेड को काटकर भीतर प्रवेश किया। दुकान संचालक के अनुसार, चोरों ने काउंटर में रखे 70 हजार रुपये नकद तथा झोले में संग्रहित दीपावली के चांदी के सिक्के सहित अन्य सामान चुरा लिया। घटना के दौरान चोर दुकान में नंगे पांव घुसे प्रतीत होते हैं, क्योंकि दुकान के भीतर कई स्थानों पर पैरों के स्पष्ट निशान पाए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की है।

बक्सर में दो ट्रकों की टक्कर में एक का चालक जख्मी, हुआ रेफर

- केबिन काट पुलिस ने स्टेयरिंग में फंसे चालक को किया रेस्क्यू

केटी न्यूज/बक्सर

पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार दूसरे दिन ट्रकों की भिड़ंत हुई। यह हादसा शनिवार की सुबह करीब पांच बजे औद्योगिक थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव के समीप हुआ। हादसे में एक ट्रक का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह ट्रक के केबिन में ही फंस गया था। इसकी जानकारी मिलते ही औद्योगिक थानाध्यक्ष संजय कुमार ने स्थानीय निवासियों तथा अन्य ट्रक चालकों के साथ मिल उसका रेस्क्यू किया तथा गैस कटर से केबिन को काट उसे बाहर निकाला गया तथा शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया गया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद मौके पर पहुंचे उसके परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए अपने साथ ले गए। जख्मी चालक की पहचान यूपी के गाजीपुर जिले भांवरकोल निवासी 30 वर्षीय धर्मेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार धर्मेन्द्र अपनी ट्रक में बालू लाद यूपी की तरफ जा रहा था। वहीं, अहिरौली के पास पहले से ही बालू लदी एक ट्रक एनएच पर खड़ी थी। संभवतः झपकी आने के कारण उसका नियंत्रण स्टेयरिंग पर नहीं था तथा वह पीछे से उक्त ट्रक में टक्कर मार दिया। इस घटना में ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा ट्रक चालक धर्मेन्द्र केबिन में ही फंस गया था।

केसठ में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन आज

केसठ। वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे के अवसर पर रविवार को केसठ प्रखंड के मनरेगा भवन बस स्टैंड में मुफ्त चिकित्सा शिविर लगेगा। इसमें डॉ. मो. मोबारक हुसैन एम.डी. डी.वी.एल., त्वचा एवं यौन रोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में संचालित होगा। शिविर में त्वचा, बाल, नाखून एवं यौन विकारों से संबंधित बीमारियों की जांच निशुल्क होगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

जय मां जवरही क्रिकेट क्लब मनपा द्वारा आयोजित किया गया था क्रिकेट प्रतियोगिता

शाहपुर को एक रन से पराजित कर छतनवार बना चैंपियन

केटी न्यूज/डुमरांव

मनपा में आयोजित 10-10 ओवर के क्रिकेट प्रतियोगिता को यंग स्टार क्लब छतनावार की टीम ने जीत ली है। फाइनल में छतनवार की टीम ने रोमांचक मुकाबले में शाहपुर को एक रन से पराजित कर ट्राफी पर कब्जा जमाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन जय मां जवरही क्रिकेट क्लब मनपा द्वारा किया गया था। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में छतनवार की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 125 रन का मजबूत स्कोर बना शाहपुर को मैच जीतने के लिए 126 रन का लक्ष्य दिया। जिसके जबाव में खेलने उतरी शाहपुर टीम निर्धारित ओवरों में 124 रन ही बना सकी और एक रन से मैच हार गई।

फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच छतनवार के राजलाल यादव को दिया गया। उन्होंने मात्र 22 गेंदों में ही 70 रनों की विस्फोटक पारी खेल अपने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जबकि मैन ऑफ द सीरीज छतनवार के ही राकेश यादव को चुना गया। राकेश ने पहले मैच में बल्ले से 65 रन बनाने के साथ ही गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए चार महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। राकेश पूरी प्रतियोगिता अपनी टीम की तरफ से बेहतर प्रदर्शन किए, जिस कारण उन्हें प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं, प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे तथा हर चौकों व छक्कों पर तालिया बजा खिलाड़ियों का हौसला अफजाई कर रहे थे।

फाइनल मुकाबले में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने उनका भरपूर मनोरंजन किया तथा मैदान के चारों तरफ चौकों-छक्कों की बारिश कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस दौरान दर्शक टस से मस नहीं हो रहे थे। मैन ऑफ द मैच चुने गए छतनवार के राजलाल यादव ने कहा कि उनका प्रयास अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि टीम को जीताने में योगदान देना हमेशा अच्छा लगता है। वहीं, दर्शकों ने भी इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाएं निखरती है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में यह देखने को मिल रहा था कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल के प्रति भावना की कमी हुई थी। जिस कारण बेहतर खिलाड़ियों की प्रतिभा निकलकर सामने नहीं आ रही थी।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में जल्द होगी 103 डीएसपी की पोस्टिंग, गृह विभाग में फाइल तैयार

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार जल्द ही 103 डीएसपी का पदस्थापन करेगी। इनमें 64 डीएसपी वैसे हैं, जिन्हें हाल ही में पुलिस निरीक्षक से डीएसपी रैंक में प्रोन्नति मिली है। वहीं, 39 डीएसपी नव नियुक्त हैं, जिन्होंने हाल ही में अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। फाइल पर मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिलते ही इससे संबंधित अधिसूचना जारी होगी। दो दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद जताई जा रही है। इधर, इंस्पेक्टर से डीएसपी में प्रोन्नत सभी 64 अधिकारियों को उनके जिला व इकाइयों में तैनात वरिष्ठ अधिकारी उनके लिए पाइपिंग सेरेमनी कर उन्हें सम्मानित कर रहे हैं। सूचना है कि लगभग सभी जिलों में यह प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। पदस्थापन होते ही ये अधिकारी अपने नए दायित्व को संभालने लगेंगे।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को बड़ा झटका, झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में उनकी जमानत याचिका को झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। 20 जून को जमानत पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने जमानत देने से इनकार करने का फैसला सुनाया है। पिछली सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के खिलाफ एजेंसी के पास ठोस सबूत हैं। एक प्रभावशाली व्यक्ति होने के नाते अगर उनको जमानत मिलती है तो जांच प्रभावित हो सकती है। आलमगीर आलम की ओर से अधिवक्ता एस. नागामुत्थु ने दलील पेश की। प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ता अमित दास ने इसकी पुष्टि की है। 15 मई 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को पूछताछ के दौरान गिरफ्तार कर लिया था। तब से वे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में हैं। ईडी का आरोप है कि उन्होंने टेंडर आवंटन में कमीशनखोरी की है। ईडी ने मई 2024 में आलमगीर आलम, उनके सीए संजीव लाल, कई इंजीनियर और ठेकेदारों के यहां छापेमारी की थी। उस दौरान संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने से ईडी ने करीब 32 करोड़ रुपए जब्त किए थे। इसी मामले में पूछताछ के बाद आलमगीर आलम को गिरफ्तार कर लिया गया था। अब आलमगीर आलम को जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना होगा। बता दें कि आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा सीट से लंबे समय से कांग्रेस की टिकट पर विधायक का चुनाव जीतते आए हैं। उन्होंने साल 2000, 2005, 2014 और 2019 का चुनाव जीता था। पिछली हेमंत सरकार में उनको संसदीय कार्य मंत्री के साथ-साथ ग्रामीण विकास विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी। वे झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

गिरिडीह में नेशनल हाईवे के किनारे बना गोफ, हादसे का खतरा

गिरिडीह, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के रामपुर हाट से गिरिडीह के डुमरी तक जाने वाली नेशनल हाईवे 114 ए के किनारे एक बार फिर से भू-धंसान हुआ है। इस बार जिला के बिट्टा गढ़ा और गिरिडीह स्टेडियम के बीच गोफ बनने की घटना घटी है। घटना शुक्रवार की देर शाम की बतायी जा रही है। शुक्रवार की इस घटना की जानकारी सीसीएल गिरिडीह के परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा को मिली, जिसके बाद गोफ को भरने का काम किया जा रहा है। बता दें कि इस बार जहां जमीन धंसी या गोफ बना है, वह इलाका सीसीएल गिरिडीह डीएवी पब्लिक स्कूल के ठीक बगल में है। यहां से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर मुफ्फसिल थाना है। इस जगह पर पिछले डेढ़ दशक से गोफ बनने का सिलसिला जारी है। बीते वर्ष भी यहीं पर भू-धंसान हुआ था। पिछली दफा सड़क ही धंस गई थी। लोगों का कहना है कि एक ही जगह पर धंसान होना और अचानक गोफ बन जाना बड़ी घटना है। लेकिन नेशनल हाईवे इस समस्या का पूरी तरह से निराकरण करने को लेकर गंभीर नहीं है। हालात यही रहा और इस समस्या का पूरी तरह से समाधान नहीं निकाला गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।बताया जाता है कि जिस स्थान पर धंसान हो रहा है, वहां की जमीन खोखली हो चुकी है। दरअसल, इस स्थान पर अवैध कोयला का खनन लम्बे समय तक चलता रहा है।

रांची में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में वक्ताओं ने दिया संदेश, मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही

रांची, एजेंसी। विश्व की बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए लोगों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से 11 जुलाई को दुनिया भर में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। झारखंड का राजकीय कार्यक्रम सदर अस्पताल के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। जहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विश्व जनसंख्या दिवस 2025 का थीम ।मां बनने की उम्र वही जब, तन और मन की तैयारी सही। रखा गया था। जो कम उम्र में लड़कियों की शादी से होने वाले नुकसान को केंद्र में रख कर तैयार किया गया है।

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य जनसंख्या से जुड़े मुद्दों जैसे गरीबी, बेरोजगारी, संसाधनों पर दबाव, शिक्षा और कौशल विकास में कमी के साथ-साथ पर्यावरण पर बढ़ती जनसंख्या के नकारात्मक प्रभाव, सामाजिक समस्याएं और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे विषयों पर जागरुकता और इसे चर्चा के केंद्र में लाना है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि से बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं पर भी दबाव पड़ता है और असमानता बढ़ती हैं। जिसके चलते सामाजिक संघर्ष और कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भरता बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि आज झारखंड की जनसंख्या वृद्धि दर 2.3प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से थोड़ा अधिक है। उन्होंने बताया कि जनसंख्या अनुमान 2020 के अनुसार झारखंड का लगातार कम हो रहा है। जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम का अहम योगदान है। उन्होंने बताया कि आज हमारे पास संसाधन की मात्रा काफी सीमित है। अगर हमारी आबादी बढ़ती जाएगी और गुणवत्ता नहीं बढ़ेगी तो आगे जाकर हमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हमारा देश एक विकासशील देश है जहां जनसंख्या वृद्धि भी हो रही है, लेकिन क्वालिटी ऑफ लाइफ पहले की तुलना में बढ़ी है। यानी कि जीवन बेहतर हुई है।राज्य में औसत संभावित आयु भी पहले की तुलना में बढ़ी है। आज लोग 65 वर्ष से ज्यादा जीवन जी रहे हैं।

अभियान निदेशक ने कहा कि इसके बावजूद हमारे सामने कई तरह की समस्याएं हैं। जैसे अशिक्षा, कम उम्र में बच्चों की शादी होना, जल्दी बच्चा होना, बच्चों में कम अंतर होना इत्यादि। इन सभी समस्याओं को हम प्रचार-प्रसार और लोगों को जागरूक कर कम कर सकते हैं। यदि किसी घर में मां की मृत्यु हो जाती है तो वह घर बिखर जाता है और बच्चों को संभालने में काफी कठिनाई आती है। इसलिए महिला के स्वास्थ्य पर ध्यान देने के साथ-साथ दो बच्चों के बीच में कम से कम 3 साल का अंतर रखना जरूरी है।

गांव और पंचायत स्तर पर नुक्कड़-नाटक तथा आईईसी सामग्री जैसे बैनर, पोस्टर के माध्यम से विस्तृत प्रचार-प्रचार किया जाना चाहिए, तभी यह कार्यक्रम सफल होगा। साथ ही हमें जनसंख्या स्थिरीकरण पर ध्यान देना चाहिए।झारखंड के स्वास्थ्य निदेशक प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि अस्थायी विधियों की उपयोगिता बढ़ाकर गर्भनिरोधक की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। जिससे गर्भनिरोधक के अनमेट नीड जैसे कारकों में कमी लायी जा सकें। उन्होंने कहा कि कम आयु में होने वाले विवाह और 18 वर्ष से पूर्व हो जाने वाले गर्भधारण एवं गर्भसमापन जैसी समस्याओं को कम करने में परिवार नियोजन की आवश्यकता और अहम भूमिका है। इसलिए सर्वप्रथम ऐसे क्षेत्रों-गांवों को चिन्हित करके वहां जागरुकता लाने के प्रयासों को बढ़ावा देने पर विभाग जोर देगा।

वहीं इस मौके पर रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस .5) के अनुसार झारखंड की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) घटकर 2.3 हो गई है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सतत प्रयास से ही संभव हो पाया है। झारखंड राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है, जिससे हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, संसाधनों और बुनियादी ढांचे के लिए चुनौतियां हैं। बढ़ती आबादी के कारण प्रदूषण काफी बढ़ रहा है। संसाधन का दोहन भी हो रहा है। आने वाले दिनों में बढ़ती आबादी के कारण संसाधन खत्म हो जाएंगे। आबादी बढ़ने से वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ रहा है, जो मृत्यु का बहुत बड़ा कारण है। झारखंड में रांची सबसे अधिक आबादी वाला जिला है। पिछले 10 सालों में यहां आबादी काफी बढ़ी है, जो चिंता का विषय है। हमारे राज्य का जनसंख्या घनत्व राष्ट्रीय स्तर से ज्यादा है, जो किसी न किसी रूप में इकोलॉजी और पर्यावरण को प्रभावित करता है। हमें जनसंख्या स्थिरकरण को लेकर प्रयास करने चाहिए।वहीं परिवार नियोजन की स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. पुष्पा ने कहा कि परिवार नियोजन की विधियों में विकल्पों को बढ़ाने के कारण परिवार कल्याण की उपलब्धियों में बढ़ोतरी हुई है। विगत 10 वर्षों में परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर नए-नए कार्यक्रमों को जोड़ा गया है। जिससे समुदाय में बच्चों में सही अंतर रखने और सीमित करने के फायदे को आसान तरीकों से समझाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 2025 का थीम में ।मां बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही।।

हमें टीनएज प्रेगनेंसी को रोकने पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए हमें उन तक फैमिली प्लानिंग किट और बास्केट ऑफ चॉइस को आसानी से उपलब्ध कराना होगा, ताकि वह इनका उपयोग कर परिवार नियोजन कर सकें। जब एक महिला पूरी तरह से तैयार होती है तभी उसे फैमिली प्लानिंग करना चाहिए। हम इसके लिए प्रचार-प्रसार पूर्ण रूप से कर रहे हैं, ताकि लोग जागरूक हो सकें। राजकीय कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल से परिवार नियोजन जागरुकता रथ भी रवाना किया गया। वहीं नुक्कड़-नाटक के माध्यम से छोटा परिवार कैसे सुखी परिवार होता है इसका भी प्रदर्शन किया गया।विश्व जनसंख्या दिवस के राजकीय कार्यक्रम में राज्य नोडल पदाधिकारी आईईसी डॉ. लाल माझी, डॉ. अजीत खालखो, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विमलेश सिंह, अकय मिंज, परिवार नियोजन समन्वयक गुंजन खलखो, पंकज कुमार, नवल किशोर यादव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह, श्वेता वर्मा, प्रीती और राज्य एवं जिला के पदाधिकारी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

रांची में महिला ड्रग्स पैडलर समेत 5 गिरफ्तार, घर में ही हो रही थी डीलिंग

रांची, एजेंसी। सुखदेवनगर इलाके से पुलिस की टीम ने एक महिला समेत 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्करों में एक नाबालिग भी है जिसे निरुद्ध करते हुए बाल सुधार गृह भेजा गया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में ब्राउन शुगर भी बरामद किया गया है।

डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा को सूचना मिली थी कि रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में एक जेल जा चुकी महिला ड्रग्स पैडलर अपने ही घर में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करती है। सूचना मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय को ड्रग्स पैडलर्स को गिरफ्तार करने की जिम्मेवारी दी गई। सूचना पुख्ता करने के बाद कोतवाली डीएसपी ने सुखदेवनगर थाना प्रभारी के साथ थाना क्षेत्र के गंगा नगर के रोड न 01 में रहने वाली महिला मोहनी शर्मा के यहां छापेमारी की, मौके से महिला के यहां से 10.10 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल को जब्त किया।

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि महिला ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार किया गया और जब उससे पूछताछ की गई तब उसकी ही निशानदेही पर थाना क्षेत्र के पहाड़ी मंदिर के पीछे पानी टंकी के पास से 03 अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जबकि मौके से एक विधि विरुद्ध किशोर को भी निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से कुल 36.70 ग्राम ब्राउन शुगर, 63640 रुपया नगद, 04 मोबाइल और 01 मोटरसाइकिल को जब्त किया गया है। गिरफ्तार महिला अभियुक्त का पूर्व में आपराधिक इतिहास भी है।

झारखंड में गोप समाज के 40 लोगों का सामाजिक बहिष्कार करने वाला ग्रामीण मुंडा होगा बर्खास्त, डीसी ने दिए आदेश

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले में पहली बार असंवैधानिक कार्यों के आरोप लगने के बाद एक ग्रामीण मुंडा को उसके पद से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया गया है। यह दंडात्मक कार्रवाई उपायुक्त चंदन कुमार ने चिरुबेड़ा मौजा के ग्रामीण मुंडा बागुन जामुदा के विरुद्ध की है।

शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय परिसर में संचालित न्यायिक कार्य दिवस के दौरान चक्रधरपुर के गुलकेड़ा पंचायत अंतर्गत चिरूबेड़ा गांव के लुपुंगबेड़ा टोला के रवि गोप, मिथुन गोप, गंगाराम गोप, जितेन गोप, शुरु गोप, सरिता गोप, चंपा गोप आदि सहित तकरीबन 40 व्यक्तियों के द्वारा स्थानीय मुंडा के द्वारा असंवैधानिक कार्यशैली के संदर्भ में विभिन्न बिंदुओं पर शिकायत की।

बताया कि चिरुबेड़ा के गोप (ग्वाला) परिवार सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं। मुंडा बागुन जामुदा ने डाकुवा के माध्यम से गोप परिवार के 10 घरों पर कई प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले तीन लोगों पर 5 से 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है।

गोप परिवारों का आरोप है कि ग्रामीण मुंडा के फैसले से उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। उन्हें आवश्यक सामग्री जैसे दाल, चावल और शौच के लिए दूसरे गांव जाना पड़ रहा है। गांव के लोग उन्हें धमकी दे रहे हैं और उन्हें गलत दृष्टि से देख रहे हैं।

गोप परिवार की मांग है कि इन प्रतिबंधों को हटाया जाए और उन्हें समान अधिकार दिए जाएं। इस मामले में प्रशासन को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है, ताकि गोप परिवार को न्याय मिल सके। गोप परिवार के 10 घरों के छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों ने चाईबासा में डीसी आफिस पहुंचकर लिखित शिकायत की।

उपायुक्त चंदन कुमार से ग्रामीणों ने कहा है कि हमारे 10 घरों के गरीब परिवारों को मौलिक अधिकार दिया जाए, ताकि हम लोग गांव में रह सकें। उपरोक्त मामले को दृष्टिगत रखते हुए उपायुक्त के द्वारा हुकूकनामा शर्त 22 से 29 में वर्णित शर्तों का उल्लंघन करने पर चिरुबेड़ा मौजा के ग्रामीण मुंडा बागुन जामुदा को बर्खास्त करने से संबंधित तत्काल न्यायिक कार्यवाही प्रारंभ करने का आदेश दिया गया है।

ऑटो ड्राइवर की बेटी प्रियांशु मिस ग्रैंड इंडिया के फाइनल में, भाड़े की ड्रेस पहन मिस इंडिया झारखंड का खिताब जीता था

रांची, एजेंसी। बोकारो के छोटे-से कस्बे कथारा की रहने वाली प्रियांशु चौधरी राजस्थान के जयपुर में चल रहे 'मिस ग्रैंड इंडिया प्रतियोगिता-2025' में झारखंड को रिप्रजेंट कर रही हैं। 4 जुलाई से प्रतियोगिता शुरू हो गई है और 13 जुलाई को इसका फिनाले है। प्रियांशु इससे पहले मिस इंडिया झारखंड-2024 का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं और मिस यूनिवर्स झारखंड-2025 में टॉप-5 में पहुंच चुकी हैं।

इससे पहले वह मिस स्पॉटलेस फेस ऑफ इंडिया और नॉर्थ ईस्ट आइकन ऑफ इंडिया की रनरअप रह चुकी हैं। पिता नरेश प्रसाद चौधरी ऑटो चालक हैं और अभी भी कथारा में ऑटो चलाते हैं। मां वीणा देवी हाउस वाइफ हैं व ड्रेस डिजाइन करती हैं। शुरू की जितनी भी ब्यूटी प्रतियोगिताएं होती थीं, सभी की ड्रेस मां ही डिजाइन कर देती थीं। ड्रेस इतने महंगे होते कि नहीं खरीद पाने पर भाड़े में लेकर ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भाग लेतीं।

कल्चर राउंड में प्रियांशु ने लोक महापर्व छठ को दिखाया। उन्होंने एक छठ व्रती के रूप में जजों के सामने आकर सबका दिल जीत लिया। टैलेंट राउंड में उनकी डांस की भी खूब तारीफ हुई। आगे उन्हें विश्वास है कि 'मिस ग्रैंड इंडिया प्रतियोगिता-2025' जीतकर घरवालों और झारखंड को प्राउड महसूस करांएगी।

प्रियांशु ने बताया कि कई प्रतियोगिताओं में भाग लेने और जीतने के बाद मिस ग्रैंड इंडिया प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैंने केमिस्ट्री ऑनर्स की पढ़ाई डोरंडा कॉलेज से पूरी की है। हम तीन बहने हैं और पिताजी कहते हैं कि आप बेटियां ही मेरे बेटे हो। उन्होंने हमें आजादी दी। बोल्ड डिसीजन लेने को कहा। हम तीनों बहनें हर चीज उनसे शेयर करती हैं। मंझली बहन दीपांशु दिल्ली से पढ़ाई करने के बाद रांची में योगा इंस्ट्रक्टर हैं व छोटी बहन ज्ञानसु कथारा में हडीएवी स्कूल में पढ़ रही हैं। आज हमारी कामयाबी के बाद पिताजी को सभी नरेशजी कहकर बुलाते हैं, तो हम बहनें गर्व से भर जाती हैं।

गतिविधि संदिग्ध दिखी तो पुलिस करेगी गहन सत्यापन, शहर के शिवालयों में 1500 अतिरिक्त जवान तैनात

रांची, एजेंसी। सावन माह शुरू होते ही राजधानी के सभी शिवालयों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। शिवालय पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया गया है। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। यही वजह है कि महिला पुलिसकर्मियों के अलावा सादे लिबास में जवानों को तैनात किया गया है। चेन व मोबाइल छिनतई की घटना को रोकने के लिए विशेष तैयारी की गई है। ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए प्रमुख शिवालयों के आस-पास बाइक दस्ते को तैनात रखा गया है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विभिन्न शिवालयों में 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

कोई भी व्यक्ति संदिग्ध दिखाई देता है तो उसका गहन सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है। पहाड़ी मंदिर समेत अन्य कई प्रमुख शिवालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि वहां पहुंचने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। कंट्रोल रूम में भी टीम को तैनात किया गया है, जो शहर में विभिन्न जगहों से आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखेगी। एसएसपी चंदन सिन्हा खुद पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। शिवालयों के आसपास पीसीआर व पेट्रोलिंग गाड़ी को गश्त लगाने का निर्देश दिया गया है। संबंधित क्षेत्र के डीएसपी इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। रांची पुलिस ने अपील की है कि भीड़ वाले शिवालयों में जगहना पहनकर जाने से बचें। पुलिस सुरक्षा में तैनात हैं, इसके बावजूद अगर ज्यादा गहना पहनी हुई हैं तो अलर्ट रहें, ताकि भीड़ में कोई खींच न पाए। मोबाइल व पर्स का ध्यान रखें।पहाड़ी मंदिर में होने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सभी ब्रांच रोड पर बैरिकेडिंग की गई है। शनि मंदिर, गौशाला कटिंग और दुर्गा मंदिर समेत अन्य जगहों से पहाड़ी मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की इंट्री बंद की गई है।

अपडेट रहें पुलिस पदाधिकारी, अपराधियों को सजा दिलाने के लिए ई-साक्ष्य एप का करें उपयोग

रामगढ़, एजेंसी। एसपी अजय कुमार ने मासिक अपराध गोष्ठी थाना व ओपी वार विभिन्न तरह के लंबित कांडों की समीक्षा की। सभी पुलिस अधिकारियों को त्वरित गति से कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया।

एसपी ने थाना प्रभारियों से यह भी कहा कि विभिन्न कांडों में जो भी अपराधी गिरफ्तार होकर जेल भेजे गए हैं, उनका फिंगरप्रिंट एनएएफआइएस पर अपलोड होना बेहद आवश्यक है। क्योंकि अक्सर जेल से निकलने के बाद वही अपराधी दोबारा घटनाओं को अंजाम देते हैं। फिर पुलिस उन्हें पहचान करने में समय गंवाती है।

अगर नफीस पर उनके फिंगरप्रिंट अपडेट रहेंगे तो सबूत के आधार पर उनका मिलान कर तत्काल उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। पुराने मामलों में आरोपितों को भी समय पर अदालत में उपस्थित कराने, अस्पतालों की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा पर भी उन्होंने ध्यान देने को कहा।

एसपी ने देश में बने नए क्रिमिनल ला के बारे में पुलिस पदाधिकारियों को जानकारी देते हुए कहा कि नए कानून में अब अगर अपराधियों को सजा दिलाना है तो ई-साक्ष्य एप को लेकर जागरूक होना होगा।

नए क्रिमिनल ला के तहत ही अब अपराधियों को बेहतर तरीके से सजा दिलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में संगठित अपराध के खिलाफ भी लगातार अभियान चलाया जाना है।

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को सभी तरह के अवैध कारोबार जैसे कोयला, बालू व पत्थर पर पूरी तरह से रोक लगाते हुए तस्करों पर भी निगरानी रखने का निर्देश दिया। कहा कि लंबित मामलों का निष्पादन अति शीघ्र होना चाहिए।

हत्या, पोक्सो, आगजनी, नक्सली, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, एनडीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी की वारदातों की समीक्षा करते हुए एसपी ने सक्रिय अपराधियों का प्रोफाइल तैयार करने, संवेदनशील कांडों में जेल से बाहर निकले अपराधियों एवं उनके जमानतदारों का वेरिफिकेशन करने की भी बात कही।

सभी थाने में प्रतिनियुक्ति पदाधिकारी के साथ मार्निंग मीटिंग कर टास्क देने का भी निर्देश दिया। लंबित समन, वारंट, कुर्की, पासपोर्ट, कैरेक्टर वेरीफिकेशन, पीजी पोर्टल, आयोग से संबंधित मामले पर भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।पोक्सो एवं दुष्कर्म के मामलों को दो माह के अंदर निष्पादित करने की बात कही।

एसपी अजय कुमार ने भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में दहशत फैलाने वाले छह अपराधियों को पकड़ने वाले पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया है। भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में राहुल दुबे गैंग के अपराधियों ने गोलीबारी की थी।

मामले में 6 अपराधियों को एसआइटी द्वारा पकड़ा गया था। साथ ही दो पिस्टल, पांच राउंड गोली, मोटरसाइकिल, मोबाइल, घटना के समय पहने हुए कपड़े एवं जूते भी बरामद किए गए थे। इस पूरी टीम में 11 पदाधिकारी शामिल थे।

पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी, पतरातू इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रह्मवत कुमार, भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर कुमार वर्मा, सब इंस्पेक्टर अविनाश कुमार, शिव कच्छप, कुणाल कुमार और विक्रम तिग्गा को सम्मानित किया गया है।

झारखंड सरकार द्वारा 64 पुलिस इंस्पेक्टर को डीएसपी पद पर प्रोन्नत किया गया है। रामगढ़ जिले में पदस्थापित इंस्पेक्टर अजय कुमार को भी डीएसपी पद पर प्रोन्नति मिली है। एसपी कार्यालय में पिपिंग समारोह हुआ।

एसपी ने स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी। साथ ही भविष्य में लगन एवं मेहनत से उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुभाषितम्

माता-पिता की सेवा और उनकी आज्ञा का पालन जैसा दूसरा धर्म कोई भी नहीं है। - महर्षि वाल्मीकि

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को मानेगा चुनाव आयोग?

बिहार में मतदाता सूची की गहन समीक्षा को लेकर कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गईं थीं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जायमाल्या की खंडपीठ ने सभी पक्षों को सुनने के पश्चात चुनाव आयोग को सुझाव दिया, कि आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मान्यता दें। सुप्रीम कोर्ट में लगभग साढ़े 3 घंटे बहस चली। दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इसको ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट की गहन समीक्षा करने पर कोई रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव के रूप में कहा है, चुनाव आयोग बिहार मतदाता सूची की गहन समीक्षा पर, आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी शामिल करे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को मामले की फिर सुनवाई करने की तारीख नियत की है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट कोई फैसला कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो सुझाव दिए गए हैं उसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट जब भी इस तरह के सुझाव देती है सरकार और चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के सुझाव और आदेशों को नहीं मानता है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह से याचिकाओं का निपटारा किया था। जो आदेश और सुझाव दिये, उसे सरकार ने नहीं माना। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नजर अंदाज कर दिया। मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की। सुप्रीम कोर्ट में अभी भी याचिका लंबित है, जिस पर सुनवाई होनी है। सरकार द्वारा जिस मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की गई। उसके बाद से ही चुनाव आयुक्तों की भूमिका सरकार परस्त होकर रह गई है। विपक्षी दलों द्वारा लगातार चुनाव आयोग के निर्णय और कार्यवाही का विरोध जताया जा रहा है। सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए जो कानून बनाया उसमें 2014 के बाद के किसी भी चुनाव आयुक्त के ऊपर कोई भी अपराधिक मुकदमा दायर नहीं हो सकता है। जब से यह प्रावधान कानून में किया गया है, उसके बाद से चुनाव आयोग के ऊपर सरकार के इशारे पर काम करने के आरोप लग रहे हैं। चुनाव आयुक्त को अब कोई डर और भय नहीं रहा, जिसके कारण चुनाव आयोग विपक्षी दलों की शिकायतों और उनके द्वारा मांगी गई जानकारी नहीं दे रहे हैं। चुनाव आयुक्त के ऊपर अब कोई जिम्मेदारी या कानूनी कार्रवाई तय नहीं हो सकती है। जिसके कारण चुनाव आयुक्त सरकार के ऊपर पूरी तरह से निर्भर हो गए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका से एक तरह से सत्ता पक्ष के राजनीतिक दल को फायदा मिला है। सरकार ने चुनाव आयोग के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव किए हैं। चुनाव आयोग अब कोई भी डेटा विपक्षी दलों को उपलब्ध नहीं करा रहा है। चुनाव के दौरान की गई शिकायतों पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। चुनाव का रिकॉर्ड रखने की 45 दिन की समय सीमा तय कर दी है। ऐसे नियमों से राजनीतिक दलों को जो जानकारी प्रमाण के रूप में चहिए होती है, वह नहीं मिल रही है। इस कारण वो चुनावी गड़बड़ियों को लेकर अपनी लड़ाई न्यायालय में नहीं लड़ पा रहे हैं। चुनाव और मतदान के समय मतदान केंद्र के बाहर की वीडियो ग्राफी भी विपक्षी दलों को उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इसको लेकर चुनाव आयोग के ऊपर अविश्वास बढ़ता चला जा रहा है। चुनाव आयोग को लेकर आम जनता और राजनीतिक दलों को अब वह विश्वास नहीं रहा जो चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका के लिए होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में आदेश के स्थान पर चुनाव आयोग को सुझाव दिया है। सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को चुनाव आयोग मानेगा या नहीं, यह चुनाव आयुक्तों के ऊपर निर्भर करेगा। चुनाव आयोग की किसी भी कार्यवाही पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

अब छांगुर बाबा आदित्यनाथ योगी के निशाने पर आ गया

- बीपी गौतम

उत्तर प्रदेश में बलरामपुर जिले के जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के कुकृत्य के खुलासे से न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि, समूचा देश स्तब्ध दिखाई दे रहा है। एक समय भीख मांग कर जीवन गुजारने वाला छांगुर बाबा न सिर्फ करोड़ों की संपत्ति का स्वामी बन गया बल्कि, उसने समूचे सिस्टम पर ही कब्जा कर लिया। हिंदुओं और विशेष कर सवर्ण लड़कियों को मुस्लिम बनाने का अभियान चला रहा था, इसके बदले मोटी रकम देता था, अब छांगुर बाबा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के निशाने पर आ गया है। छांगुर बाबा और उसके गिरोह पर लगातार शिंकजा कसा जा रहा है, इस स्टोरी में छांगुर बाबा के कुकृत्यों की ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा प्रकरण

बलरामपुर जिले में उतरौला क्षेत्र के निवासी 50 हजार के इनामी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण कराने के प्रकरण में महिला मित्र व कथित बीवी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन के साथ शनिवार को गिरफ्तार किया था। छांगुर बाबा और नसरीन को न्यायालय में पेश किया गया। एनआईए की विशेष अदालत के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने बुधवार को छांगुर बाबा

और नसरीन की सात दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली, दोनों की रिमांड अवधि बृहस्पतिवार से शुरू होगी, इस दौरान छांगुर बाबा से आईबी और एनआईए के अधिकारी भी पूछ-ताछ करेंगे, जिससे और बड़े खुलासे हो सकते हैं, इस मामले की जांच यूपी एटीएस और एसटीएफ के साथ अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा भी की जायेगी। छांगुर बाबा और नीतू की गिरफ्तारी से पहले ही छांगुर बाबा के बेटे महबूब और नीतू के पति नवीन को जेल भेजा चुका है। एटीएस की विवेचना में उपरोक्त चारों के साथ लगभग 18 लोग सम्मिलित हैं, जिनकी तलाश जारी है।

ऐसे हुआ सनसनीखेज खुलासा 4

लखनऊ के शनिदेव मंदिर में तीन जुलाई को विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने धार्मिक विधि से इस्लाम स्वीकार कर चुके 15 लोगों को पुनः हिंदू बनाया था, इस दौरान विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने आरोप लगाया था कि बलरामपुर जिले में अतरौली क्षेत्र का निवासी छांगुर बाबा ने आर्थिक लालच देकर धर्मांतरण कराता है, इसके लिये उसे भारी मात्रा में विदेशी धन प्राप्त होता है। उन्होंने आरोप लगाया था कि इसके हिंदू महिलाओं की शादी दूसरे धर्म के लोगों से करवाई गई हैं। गोपाल राय ने आरोप लगाया था कि बलरामपुर और आस-पास के जिलों के 6000 से अधिक लोगों का धर्म-परिवर्तन कराया जा चुका है। उन्होंने पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने की मांग की थी, इस आरोप के बाद एसटीएफ और अन्य एजेंसियां हरकत में आईं तो, सनसनीखेज खुलासे होते चले।

कभी भीख मांगता था छांगुर बाबा

छांगुर बाबा बलरामपुर जिले के गांव रहरा माफी का मूल निवासी है। छांगुर बाबा किसी समय भीख मांग कर गुजारा करता था, इसके बाद महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित एक दरगाह के बाहर अंगूठी बेचने का धंधा करने लगा, इस दौरान ही वह अवैध धर्मांतरण के अंतर्राष्ट्रीय सिंडीकेट का हिस्सा बन गया और फिर खाड़ी देशों की कई संस्थाओं से जुड़ता चला गया, जहां से उसे अपार धन मिलने लगा, इसके बाद उसने अपना नेटवर्क स्थापित किया और बड़े स्तर पर हिंदुओं का धर्म-परिवर्तन कराने लगा, साथ ही स्वयं को उसने जिंदा पीर प्रचारित कर दिया, जिससे उसके प्रति आस्था और श्रद्धा भी बढ़ती चली गई, फिर वह और उसके गिरोह से जुड़े लोग बड़े स्तर पर लोगों को इस्लाम के प्रति प्रेरित करने लगे और प्रलोभन भी देने लगे, इसके लिये छांगुर बाबा जगह-जगह कार्यक्रम भी आयोजित कराने लगा। छांगुर बाबा गांव मधपुर में स्थित चांद औलिया दरगाह में सालाना उर्स भी कराता था, जिसमें विदेश से भी लोग आते थे। छांगुर बाबा का बलरामपुर में बस स्टेशन के पास विशाल कपड़ों का बड़ा शोरूम है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है, अब छांगुर बाबा अकूत संपत्ति का स्वामी है।

छांगुर बाबा की सिस्टम में है गहरी पैठ

छांगुर बाबा ने पुलिस-प्रशासन और न्यायालय में गहरी पैठ बना ली थी। स्थानीय स्तर पर लोगों के विरुद्ध फर्जी शिकायतें करवा देता था एवं न्यायालय में परिवाद दायर करवा देता था, जिसके बाद फैसला कराता था और फिर इस्लाम स्वीकार करने का दबाव बनाता था। सिस्टम में बैठे कई लोगों को वो मोटी रकम देता था और कुछेक लोग धर्म के नाम पर उसकी मदद करते थे, इसकी पुष्टि आगे एजेंसियों की जाँच में ही हो सकेगा। छांगुर बाबा की ताकत का अहसास, इससे लगाया जा सकता है कि उसका कोई विरोध कर देता था तो, उसके समर्थक उसके साथ मारपीट करते थे और फिर विरोध करने वाले पीड़ित पर ही तत्काल मुकदमा दर्ज करा दिया जाता था, उसके कई रिश्तेदारों पर आजमगढ़ के देवगांव थाने में दो वर्ष पूर्व मुकदमा दर्ज हुआ था, फिर भी सब कुछ सामान्य ही रहा।

डेमोग्राफी बदलना चाहता था छांगुर बाबा

छांगुर बाबा का उद्देश्य घृणित और डरावना कहा जा सकता है। माना जा रहा है कि वह बलरामपुर और आस-पास के जिलों की धार्मिक बसावट बदलना चाहता था। एटीएस ने भी न्यायालय में जानकारी दी है कि उसका मंसूबा बलरामपुर में इस्लामी दावा केंद्र और मदरसा बनाने का था, वह हिंदू धर्म के प्रति नफरत फैलाकर भारत को इस्लामी मुल्क बनाना चाहता था। एटीएस के वकील ने अदालत को बताया कि छांगुर बाबा संगठित रूप से हिंदू, गैर-मुस्लिम समुदाय के गरीबों, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्ग के लोगों, विधवा महिलाओं को आर्थिक मदद, शादी कराने, नौकरी का लालच देकर अवैध तरीके से धर्मांतरण कराता था, कई लोगों का धर्मांतरण डरा-धमकाकर भी कराया गया है, वह अवैध धर्मांतरण कर मुस्लिमों की संख्या बढ़ाकर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर रहा था।

धर्म बदला पर कागजों में नाम नहीं बदला

छांगुर बाबा ने अपने साथी नवीन घनश्याम और नीतू की नाबालिग बेटी का दुबई में धर्मांतरण कराया था लेकिन, चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों के धर्म-परिवर्तन करने के बावजूद उनका पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाते हिंदू नाम से ही हैं, इनके नाम पर बड़ी संख्या में जमीनें खरीद रहा था। सूत्रों के अनुसार गिरोह ने अलग-अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी अधिक बैंक अकाउंट खुलवाये हैं, जिनमें 100 करोड़ रुपये से भी अधिक की धन का आवागमन होने की आशंका जताई जा रही है, इसी रकम से न सिर्फ धर्मांतरण कराया जा रहा था बल्कि, छांगुर बाबा आलीशान कोठियां बनवा रहा था और और लग्जरी गाड़ियां खरीद रहा था। नीतू तमिलनाडू मूल की बताई जा रही है, जो हिंदू लड़कियों को फंसाने में अहम भूमिका निभाती थी।

धर्मांतरण के लिये खोलने वाला था कॉलेज

छांगुर बाबा मधपुर में आलीशान कोठी बनवाने के बाद बराबर में ही डिग्री कॉलेज खोलने की तैयारी कर रहा था, इस दिशा में निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया था, इस कॉलेज के द्वारा वह और बड़े स्तर पर धर्मांतरण कराने की योजना बना रहा था।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

- सोनम लववंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्ल में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी

स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ल छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक ह्यरैंक मशीनह्ल बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है? इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। जरूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है।

प्रधान मंत्री मोदी ईमानदार हैं

-संजय गोस्वामी

बिहार वोटर लिस्टः राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का विरोध, बिहार बंद में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन हुआ कन्हैया कुमार और पप्पू यादव की इस रैली में महागठबंधन का हिस्सा नहीं बने और वाहन में बाहर कर फेंकना अच्छा नहीं है और एक तरफ मोदी जी नीतीश कुमार को अपनी माला में जगह देते हैं वोट आपका अधिकार है लेकिन जानिए संसार में अधिकांश लोग अपने-अपने स्वार्थों में फँसे हुए हैं तथा जहाँ भी किसी का कोई स्वार्थ टकराता है, वह आपकी व्यर्थ निन्दा शुरू कर देता है। मनुष्य किस-किस क्षेत्र में कहाँ तक हटे ? कभी-कभी संघर्ष करना जरूरी हो जाता है। संघर्ष से व्यक्तित्व निखरता है और प्रभाव बढ़ता है। संघर्ष में साथी और विरोधी भी परिस्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं। जो कल विरोधी था, वह आज साथी हो सकता है और जो कल साथी था, वह आज विरोधी हो सकता है। केवल मित्रता स्थायी होती है, किंतु मित्र तो जीवन में एक-दो ही होते हैं। उदारताजन्य सद्भावना सबके लिए होनी चाहिए, यद्यपि मित्रता तो एक-दो से ही हो सकती है। उदारता अथवा सद्भावना का अर्थ तुष्टीकरण कदापि नहीं होता है।संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। संघर्ष में यह स्मरण रखना उचित है कि किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है। विरोध एवं संघर्ष करते हुए भी हम इंसानिय न खो बैठे तथा संघर्ष एवं विरोध का दायरा सीमित ही रखें। धीरे-धीरे जब मनुष्य विचार-क्षेत्र में ऊँचे स्तर पर आ जाता है, तब वह जीवन में अधिक उदात्त होकर तथा अधिक ऊँची वस्तुओं में रुचि लेकर तुच्छ प्रकार के संघर्ष करना छोड़ देता है तथा अधिक उपयोगी दिशा में संघर्ष करना प्रारंभ कर देता है। यह पलायान नहीं, बुद्धिमता होती है, जीवन में स्वस्थ मोड़ होता है। इसे पलायन कहना भूल होती है। पलायन के मूल में भय होता है तथा मोड़ का कारण होता है-मन का ऊँचे धरातल पर पहुँचना। सन्त-वृत्ति अपनाने पर तथा आध्यात्मिक रुचि ग्रहण कर लेने पर, मनुष्य धन अथवा पद आदि के लिए लौकिक संघर्ष से अधिक-से-अधिक संभव सीमा तक दूर हटकर स्वाध्याय, ज्ञानार्जन, ध्यान के अभ्यास, प्रार्थना, परोपकार, सेवाकार्य आदि में जुट सकता है। यह रुचि परिष्कार कहलाता है। अरविंद घोष सहसा राजनीति से हटकर अध्यात्म में लग गये थे। पनी रुचियों को खोजकर उन्हें उचित दिशा देने से विशेष सुख मिलता है। यदि आपमें कलाकार, चित्रकार, वैज्ञानिक, विचारक, कवि, सामाजिक कार्यकर्ता छिपा पड़ा हो, तो उसे जगायें। यश की इच्छा छोड़कर अपने व्यक्तित्व की गहरी माँगों को तन्मयता से पूरा करके उसका विकास करना मानो ईश्वर की योजना को पूरा करना है तथा प्रगाढ़ सुख की ओर बढ़ना है। दि ईमानदारी, सचाई और योग्यता होने पर भी उन्नति न मिले, तो उसे ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार करें तथा ईमानदारी को न कोसने लगें। ईमानदारी का फल सदा मीठा ही होता है।

आज का राशिफल

मेष आज करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। कोई महत्वपूर्ण डील दोपहर तक फाइनल हो सकती है।

तुला शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आज का दिन श्रेष्ठ है। पुराने फाइनेंशियल विवाद सुलझ सकते हैं।

वृषभ दिन व्यस्तता से भरा होगा। आप अपने व्यापार या करियर के विस्तार की नई योजनाओं में व्यस्त रहेंगे।

वृश्चिक आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके माली हालात में सुधार के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज भाग्य साथ दे रहा है। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष लाभकारी रहेगा।

धनु इनोवेटिव प्रॉजेक्ट्स में निवेश करने वाले लोग सफलता की ओर बढ़ सकते हैं।

कर्क आज दिन शुभ है। आप अपनी सृजनात्मकता से करियर में एक नया मुकाम हासिल कर सकते हैं।

मकर कई तरह के प्रॉजेक्ट्स एक साथ हाथ में आने से कार्यभार बढ़ेगा।साथ ही वित्तीय लाभ भी मिलेगा।

सिंह आज दिन काफी व्यस्त है। लेकिन आपके लिए कई नई संभावनाएं खुलने वाली हैं।

कुंभ आर्थिक मामलों में संभावनाओं से भरा होगा। संभावना से आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है।

कन्या आर्थिक मामलों में बहुत सतर्कता से काम करने का है। किसी पुराने लेनदेन में कानूनी उलझन संभव है।

मीन कोई पुराना निवेश जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट या शेयर अप्रत्याशित लाभ दे सकता है।

विशेष

के चंद्रशेखर राव के परिवार की कलह चरम पर

तेलंगाना मे के चंद्रशेखर राव के परिवार की कलह सड़कों पर देखने को मिल रही है। उनकी बेटी के कविता ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह खुलकर राजनीति के मैदान में अपने पिता और भाई के विरोध में आकर खडी हो गई हैं। केसीआर अपना उत्तराधिकारी अपने बेटे केटी रामा राव को बनाना चाहते हैं। के कविता खुद को उत्तराधिकारी मानती हैं। 17 जुलाई को उन्होंने स्वतंत्र रूप से रेल रोको आंदोलन का ऐलान कर बगावत का बिगुल दिया है। 17 जुलाई को एक भी ट्रेन तेलंगाना से दिल्ली के लिए रवाना नहीं होगी। उन्होंने यह आंदोलन आरक्षण सीमा को बढ़ाने के लिए शुरू किया है। इसके बाद से केसी आर परिवार की कलह खुलकर सामने आ गई है।

पश्चिम बंगाल की कमान भाजपा के खाटी नेता को

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनाव रणनीति को बदल दिया है। दल बदलुओं के स्थान पर अब भाजपा के खाटी नेताओं के ऊपर केंद्रीय नेतृत्व ने ध्यान केंद्रित किया है। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पद पर सामिक भट्टाचार्य की नियुक्ति की गई है। सुकांत मजूमदार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया है। पश्चिम बंगाल में अन्य पार्टियों से आए हुए नेताओं का भारी विरोध है। अन्य पार्टी से आए हुए नेता कभी भी पलटी मार सकते हैं इसको देखते हुए अब भाजपा के पुराने नेताओं के हाथ में कमान सोंपी जा रही है। ममता दीदी से चुनाव लड़ने के लिए भाजपा पश्चिम बंगाल में अपनी रणनीति बदलने जा रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1674: शिवाजी ने ईस्ट इंडिया कंपनी से संधि की. 1806: फ्रांस के संरक्षण में राइन संघ का गठन हुआ. 1823 : भारत में निर्मित पहले वाष्प चलित जहाज डायना का जलावतरण हुआ. 1869: नेपोलियन तृतीय ने फ्रांस में संसदीय प्रणाली लागू की. 1902: आस्ट्रेलिया की संसद ने महिलाओं को मताधिकार प्रदान किया. 1941: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन सोवियत आपसी सहायता समझौता हुआ. 1959: युवराज करीम दो करोड़ इस्माइल मुसलमानों के आगा खान बने. 1960: फ्रांस दाहोमी, नाइजर अपर वोल्टा, आईवरी कोस्ट, चाड, सेंट्रल अफ्रीका और कांगो को स्वतंत्र करने के लिए राजी हुआ. 1979: किरिबाती 80 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद स्वतंत्र हुआ. 1993: उत्तरी जापान में भूस्खलन और समुद्री लहरों से दो सौ से अधिक लोग मारे गए.

दैनिक पंचांग

12 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.45 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	08.02 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.13 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.39 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.55 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.00 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.47 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.19 बजे से
		मेष	23.50 बजे से
		वृष	01.30 बजे से
		मिथुन	03.28 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 193 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 06.36 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 19.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 14.01 बजे तदनन्तर गर 01.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872403 **जूलियन दिन** 2460868.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

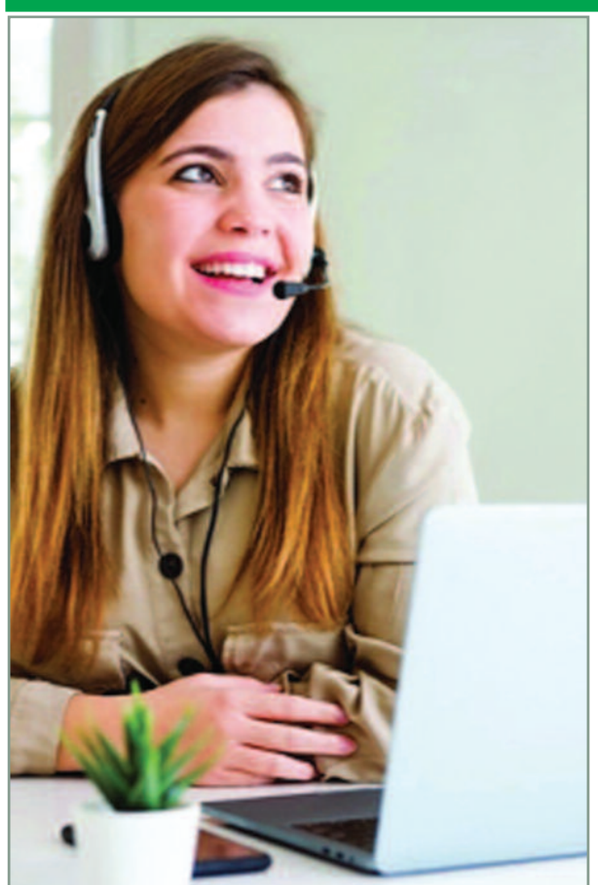

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

होम साइंस में बनाएं आदर्श करियर

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है।

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशतः वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।

गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं।

हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है।

होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार की प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

दुनिया में बज रहा है चीन के बैंकों का डंका, टॉप 10 में भारत का एक भी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन दुनिया की दूसरी बड़ी इकॉनमी है। लेकिन एसेट्स के हिसाब से दुनिया के 10 सबसे बड़े बैंकों की लिस्ट देखें तो इसमें चीन का दबदबा है। इस लिस्ट में टॉप पर चीन के चार बैंक हैं। इन चार बैंकों की कुल एसेट्स करीब 23 ट्रिलियन डॉलर है। दूर-दूर तक दुनिया का कोई बैंक इनके मुकाबले में नहीं है। टॉप 10 की लिस्ट में अमेरिका और फ्रांस को 2-2 बैंक शामिल हैं जबकि जापान और ब्रिटेन के एक-एक बैंक को इसमें जगह मिली है। इस

लिस्ट में भारत के बैंक एसबीआई और एचडीएफसी बैंक काफी पीछे शामिल हैं।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक चीन का इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना इस लिस्ट में टॉप पर है। इस बैंक की एसेट 6.7 ट्रिलियन डॉलर है। यानी एसेट्स के हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा बैंक है। एग्रीकल्चर बैंक ऑफ चाइना दूसरे नंबर पर है जिसकी कुल एसेट 5.9 ट्रिलियन डॉलर है। चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक कॉरपोरेशन 5.6 ट्रिलियन डॉलर की एसेट के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। बैंक ऑफ चाइना इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। इस बैंक की कुल एसेट 4.8 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह दुनिया के बैंकों की लिस्ट में चीन के चार बैंक हैं जिनकी कुल एसेट्स करीब 23 ट्रिलियन डॉलर है जो चीन की जीडीपी (19.23 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक है।

भारत का हाल- इस लिस्ट में अमेरिका का दिग्गज जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी बैंक 4 ट्रिलियन डॉलर की एसेट्स के साथ पांचवें नंबर पर है। बैंक ऑफ अमेरिका 3.3 ट्रिलियन डॉलर की एसेट्स के साथ इस लिस्ट में छठे नंबर पर है।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज 18 जुलाई को जारी करेगी नतीजे

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजों का ऐलान इसी महीने होगा। शुक्रवार, 11 जुलाई को कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान 18 जुलाई को हो सकता है।

एक्सचेंज को दी जानकारी में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया है, कंपनी की बोर्ड मीटिंग 18 जुलाई 2025 को प्रस्तावित है। इसी दिन बोर्ड की तरफ से तिमाही नतीजों का ऐलान किया जा सकता है।

क्या उम्मीद कर रहे हैं एक्सपर्ट- कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 19517 करोड़ रुपये रह सकता है। इसमें बड़ा योगदान एशियन पेंट्स में हिस्सेदारी बेचने की वजह से देखने को मिल सकता है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के सेल्स में सालाना आधार पर 1 प्रतिशत की गिरावट की देखने को मिल सकती है। नेट सेल्स जून क्वार्टर में 2,29,475.70 करोड़ रुपये रह सकता है। एक साल पहले इसी तिमाही में इसी तिमाही में सेल्स 2,31,784 करोड़ रुपये रह सकता है।

घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि पीएटी में 32 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। इस बार प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 20,0000 करोड़ रुपये के करीब रह सकता है। ब्रोकरेज हाउस कंपनी के रेवन्यू ग्रोथ में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान जता रहे हैं।

एफपीआई का भरोसा बरकरार, इस हफ्ते भारतीय बाजार में डाले गए 5260 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय बाजारों में शुद्ध खरीदार बने रहे। उन्होंने 7 जुलाई से 11 जुलाई के दौरान कुल 5,260 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने यह जानकारी दी।

आंकड़ों से पता चला है कि एफपीआई सप्ताह के सभी कारोबारी दिनों में शुद्ध खरीदार रहे। यह भारतीय बाजारों के प्रति सकारात्मक निवेशक रुझान का संकेत है। सबसे ज्यादा शुद्ध निवेश मंगलवार को दर्ज किया गया। एफपीआई ने मंगलावर को भारतीय बाजारों में 2,771 करोड़ रुपये डाले।

जुलाई का शुद्ध निवेश 3,839 करोड़ रुपये पहुंचा- इस हफ्ते के निवेश के साथ, जुलाई महीने में इक्विटी सेगमेंट में विदेशी निवेशकों का कुल शुद्ध निवेश 3,839 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पिछले हफ्ते की तुलना में सुधार दर्शाता है।

इन कारणों से पड़ेगा नकारात्मक असर - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने बताया कि आगामी सप्ताह में विदेशी संस्थागत निवेशक गतिविधियां धीमी रहने की उम्मीद है। अमेरिकी व्यापार वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अधिकांश व्यापार साझेदारों पर 15 प्रतिशत या 20 प्रतिशत का व्यापक टैरिफ लगाने की योजना से सतर्कता बढ़ गई है।

निवेशकों की है इन पर नजर

खेमका ने कहा कि निवेशक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों सहित प्रमुख घरेलू वृहद आर्थिक संकेतकों पर बारीकी से नजर रखेंगे। इसके अलावा, बाजार सहभागी पहली तिमाही की आय और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से संबंधित किसी भी अपडेट पर नजर रखेंगे।

मई रहा अब तक का सबसे बेहतरीन महीना

पिछले महीने जून में, एफपीआई ने भारतीय इक्विटी सेगमेंट में 14,590 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। मई में, विदेशी निवेशकों ने 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिससे यह एफपीआई प्रवाह के मामले में साल का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला महीना बन गया। हालांकि, इस साल की शुरुआत में, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से बड़ी मात्रा में निकासी की थी। उन्होंने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, जबकि जनवरी और फरवरी में क्रमशः 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

सरकार ई-ट्रक के लिए दे रही 9 लाख रुपये से अधिक की सब्सिडी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को ई-ट्रक इंसेंटिव स्कीम की शुरुआत की। पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत शुरू की गई इस योजना में दी जाने वाली सब्सिडी से इलेक्ट्रिक ट्रकों का दाम 9 लाख 60 हजार रुपये तक कम हो जाएगा। ई-ट्रकों के लिए पहली बार शुरू की गई स्कीम से फिलहाल देशभर में 5600 ई-ट्रक सड़कों पर उतारने में मदद मिलने की उम्मीद है। वायु प्रदूषण की बड़ी समस्या को देखते हुए इसमें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1100 ई-ट्रकों के लिए खासतौर पर प्रावधान किया गया है और अनुमानित लागत के रूप में 100 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं। कुमारस्वामी ने कहा, कुल गाड़ियों में डीजल ट्रकों का हिस्सा केवल 3 प्रतिशत है, लेकिन परिवहन से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में इनका हिस्सा 42 प्रतिशत है। यह स्कीम इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए भारत की पहली स्कीम है। इससे 2047 तक विकसित भारत बनाने और 2070 तक नेट-जीरो एमिशन का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

कितनी मिलेगी सब्सिडी- इसमें ई-ट्रकों के ग्रॉस व्हीकल बेट के आधार पर सब्सिडी दी जाएगी। वह प्रति ई-ट्रक अधिकतम 9.6 लाख रुपये होगी। इसके चलते परचेज प्राइस घट जाएगी और सब्सिडी पीएम बी-डीआरवीइ पोर्टल के जरिए मैन्युफैक्चरर के पास चली जाएगी। इंसेंटिव पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। इंसेंटिव के लिए पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों की स्क्रैपिंग अनिवार्य की गई है।

स्कीम के तहत मैन्युफैक्चरर बैकड वॉरंटीज की बात भी की गई है। इसमें कहा गया है कि बैटरी की 5 साल की या 5 लाख किलोमीटर तक में जो भी कम हो, वॉरंटी होनी चाहिए व्हीकल और मोटर की वॉरंटी भी 5 साल या ढाई लाख किलोमीटर में से भी जो कम हो, होनी चाहिए।

दिलीप जाजोदिया... ड्यूक्स बॉल बनाने वाले कंपनी के मालिक, कभी जेब में 500 रुपये लेकर आए थे लंदन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज चल रही है। दोनों टीमें 1-1 से अभी बराबर हैं और तीसरा टेस्ट मैच चल रहा है। लेकिन इस सीरीज में शुभमान गिल की सेंचुरी और बुमराह, सिराज और आकाशदीप की बॉलिंग से ज्यादा एक चीज की चर्चा और है। वह है ड्यूक्स बॉल। वही लाल गेंद जो इन टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल हो रही है। इस बॉल को बनाने वाली कंपनी का मालिक कोई और नहीं, बल्कि एक भारतीय है जिसका नाम दिलीप जाजोदिया है।

दिलीप जाजोदिया ऐसे बिजनेसमैन हैं जिन्होंने ब्रिटेन के व्यापार और उद्योग में अपना नाम बनाया है। करीब 80 साल के जाजोदिया ने क्रिकेट के

प्रति अपने प्यार को अपने बिजनस के साथ मिला दिया है। जाजोदिया की कंपनी ड्यूक्स क्रिकेट बॉल बनाती है। यह गेंद एशेज मैचों और दूसरे इंटरनेशनल मैचों में इस्तेमाल होती है। यह कंपनी कई सालों से क्रिकेट के सामान बना रही है। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी जैसे बड़े खिलाड़ी भी इनके सामान का इस्तेमाल कर चुके हैं।

क्यों हैं चर्चा में?- अब जानते हैं कि दिलीप जाजोदिया चर्चा में क्यों हैं। दरअसल, भारत और इंग्लैंड की सीरीज में ड्यूक्स बॉल की क्वालिटी पर उंगली उठने लगी है। दोनों ही टीमों की ओर से कहा गया कि यह गेंद पहले की तुलना में जल्दी नरम हो जाती है। इससे गेंदबाजों को समस्या होती है। हालांकि इस बारे में दिलीप जाजोदिया ने भी जवाब दिया है। उनका कहना है कि अब बल्ले भी पहले की तुलना में बदल गए हैं। इससे भी गेंद का आकार बदल जाता है। जाजोदिया ने कहा कि अगर वह बहुत ज्यादा हार्ड गेंद बनाएंगे तो बल्ले टूट जाएंगे।

राजस्थान के परिवार से कनेक्शन

दिलीप जाजोदिया राजस्थान के मारवाड़ इलाके के एक बिजनस परिवार से हैं। उनकी परवरिश शानदार हुई। वह पढ़ने के लिए इंग्लैंड गए। उनके पिता का वहां पहले से बिजनस था। उनके पिता ब्रिटिश इंडियन आर्मी को यूनिफार्म सप्लाई करते थे। जाजोदिया जब लंदन पहुंचे, तो उनके पास सिर्फ 5 पाउंड यानी करीब 500 रुपये थे। वहां उनके परिवार और दोस्त उनका इंतजार कर रहे थे। लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद बनाने की ठानी। शुरुआत में उन्होंने इंश्योरेंस कंपनी में काम किया। फिर 1973 में उन्होंने मोरंट नाम की एक कंपनी खरीद ली। आज मोरंट क्रिकेट के सामान बनाने वाली बड़ी कंपनी है। यह कंपनी अल्ट्रा-लाइट पैड भी बनाती है, जिसे कई बड़े क्रिकेटर इस्तेमाल करते हैं।

दो कंपनियों के मालिक

जाजोदिया दो मुख्य कंपनियों मोरंट और ड्यूक्स के मालिक हैं। इन कंपनियों का क्रिकेट के सामान के बाजार में बड़ा नाम है। इसके अलावा ये कंपनियां हॉकी और रग्बी के सामान भी सप्लाई करती हैं। जाजोदिया का पूरा ध्यान ड्यूक्स क्रिकेट बॉल पर रहता है। वह खुद बॉल को पॉलिश करते हैं और सबसे अच्छी क्वालिटी के सामान का इस्तेमाल करते हैं।

कितनी है नेटवर्थ?

विकिपीडिया के मुताबिक ड्यूक्स कंपनी का टर्नओवर सालाना एक अरब पाउंड (11.60 हजार करोड़ रुपये) से कम है। वहीं जाजोदिया की नेटवर्थ कितनी है, इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी मौजूद नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जाजोदिया की नेटवर्थ 150 करोड़ रुपये है।

फास्टैग पास से एक्सप्रेसवे पर महज 15 रुपये टोल टैक्स लगेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की वार्षिक फास्टैग पास योजना से देश के किसी भी एक्सप्रेस-वे अथवा एक्सेस कंट्रोल नेशनल हाइवे को महज 15 रुपये टोल टैक्स देकर पार किया जा सकेगा। क्योंकि, वार्षिक फास्टैग पास में सड़क यात्री से टोल टैक्स दूरी के अनुपात के बजाए एक टोल प्लाजा पार करने के हिसाब से लेने का प्रावधान है। यह योजना आगामी 15 अगस्त से शुरू होने वाली है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के 17 जून को वार्षिक फास्टैग पास योजना के नोटिफिकेशन में भी इस बात का उल्लेख है कि एक्सप्रेस-वे तथा एक्सेस कंट्रोल नेशनल हाईवे में प्रवेश-निकास टोल प्लाजा को एक की टोल गेट माना जाएगा।

200 टोल प्लाजा पार कर सकता है वाहन चालक- मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक्सप्रेस-वे में शुरू के टोल प्लाजा पर कार चालक को एक पर्ची दी जाती है और निकास टोल गेट पर दूसरी के हिसाब से टोल टैक्स फास्टैग से काट लिया जाता है, लेकिन सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की 3000 रुपये की वार्षिक फास्टैग योजना में वाहन चालक 200 टोल प्लाजा को पार कर सकता है। इस प्रकार से उसे प्रत्येक टोल प्लाजा को पार करने के लिए महज 15 रुपये टोल देना होगा। प्रत्येक 60 किलोमीटर पर टोल टैक्स का प्रावधान होता है।

देश में निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे जहां मिलेगा लाभ- एनएचएआई के प्रवक्ता ने माना कि 3000 रुपये के वार्षिक फास्टैग पास संबंधी अधिसूचना के मुताबिक एक्सेस कंट्रोल व एक्सप्रेस-वे पर सड़क यात्री को सिर्फ 15 रुपये ही टोल टैक्स देना होगा। लेकिन तकनीकी रूप से यह व्यवहारिक नहीं लगता है। उदाहरण के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की दूरी 1386 किलोमीटर है। इतनी दूरी का कम से कम 500-600 रुपये टोल लगता है। विभाग इसमें संशोधन पर विचार कर रहा है।

एवन्यू सुपरमार्ट्स की सुस्त शुरुआत, नेट प्रॉफिट में महज 2 प्रतिशत का इजाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने शुक्रवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से जारी किए गए रिजल्ट बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 2.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 829.73 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट्स का अनुमान था कि कंपनी को इस साल जून तिमाही में 856.20 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट होगा।

कंपनी के रेवन्यू में हुआ इजाफा- अप्रैल से जून 2025 के दौरान एवन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का रेवन्यू 15932 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 16.19 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, यह भी एक्सपर्ट्स के अनुमान से कम है। ब्लूमबर्ग के पोल में 4 एनालिस्ट ने 16579 करोड़ रुपये के रेवन्यू का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का खर्च भी बढ़ चुका है।

पहली तिमाही में कुल खर्च 15,321.66 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 13,056.61 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने खोले नए स्टोर्स- मुंबई की रिटेल कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान 9 नए स्टोर्स खोले हैं। जिसके बाद अब उनके कुल स्टोर्स की संख्या 424 हो गई है। मर्चेंडाइज और अपैरल जोकि ज्यादा मार्जिन देते हैं उनका रेवन्यू में 24.70 प्रतिशत का योगदान है। वहीं, लो मार्जिन वाले प्रोडक्ट जैसे फूड और ग्रॉसरी का सेल्स में 55.60 प्रतिशत का योगदान है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि नए स्टोर्स के खोलने और कर्मचारियों का खर्च बढ़ने का असर कंपनी पर दिख रहा है। जिसकी वजह से नतीजे सुस्त नजर आ रहे हैं। हालांकि, भविष्य में इसमें सुधार की उम्मीद है।

शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 4063.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। 2025 में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 17 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

13 साल में सिर से उठ गया था पिता का साया, काम करते हुए पढ़ाई पूरी की, आज होटलों की चेन के मालिक हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। संघर्ष की भट्ठी से तप कर निकले व्यक्ति का रंग तो मलीन हो जाता है, लेकिन उनकी आभा में सोने की चमक होती है। गोवा के मूल निवासी परकिन रोचा की कहानी कुछ ऐसी ही है। उन्होंने महज 13 साल की उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। सिर से पिता का साया भले ही उठ गया था लेकिन उनके हौंसले पर फर्क नहीं पड़ा। आज वह होटलों की चेन चला रहे हैं।

कहते हैं उद्यमिता सिखायी नहीं जाती है बल्कि यह व्यक्ति के अंतर्मन में स्वमेव होता है। ऐसी ही उद्यमिता परकिन रोचा में भी पहले से विद्यमान थी। वह रॉयल आर्किड होटल्स जैसी बड़ी कंपनी में ईवीपी थे। कंपनी के बोर्ड में मेम्बर थे। लेकिन उनके अंदर चल रहा था कि उनका भी अपना होटल चेन हो। आखिर में उनकी यह साध पूरी हुई। आज की तारीख में उनका खुद का होटल का चेन खुल गया है। सक्सेस स्टोरी की आज की श्रृंखला में आज हम आपको बता रहे हैं इको होटल्स एंड रिसोर्ट्स के फाउंडर एंड सीईओ परकिन रोचा के बारे में।

13 साल में सिर से उठ गया पिता का साया- परकिन रोचा के परिवार वाले मूल रूप से पुर्तगीज थे और गोवा में रहते थे। उनके पिता

माइकल रोचा गोडफ्रे फिलिप्स इंडिया में नौकरी करते थे और दिल्ली में पोस्टेड थे। उनकी माताजी डोर्सी रोचा भी यहींकाम करती थीं। लेकिन 22 सितंबर 1989 को उनके पिताजी अचानक इस जहां से कूच कर गए। उस समय परकिन महज 13 साल के थे। पतिकेअसमयनिधनसे डोर्सी रोचा परेशान तो हुईं लेकिन हौंसला नहीं टूटा। बेटे को दिल्ली के अति प्रतिष्ठित सेंट कोलम्बाज स्कूल में पढ़ाया। फिर दार्जीलिंग के एक प्रतिष्ठित इंस्टीच्यूट से होटल मैनेजमेंट करवाया।

सेना में जाने का था मन- जब परकिन ने स्कूली शिक्षा खत्म की तो सेना ज्वॉइन कर देश सेवा का मन बनाया। इसके लिए उन्होंने अति प्रतिष्ठित एनडीए की परीक्षा पास भी की। लेकिन कम उम्र में ही पति को खो चुकी डोर्सी ने इसके लिए अनुमतिनहीं दी। उन्हें लगता था कि सेना में जाने के बाद जिस तरह उनका पति कम उम्र में ही उन्हें छोड़ गए, बेटा भी ऐसा कर सकता है। फिर वह होटल मैनेजमेंट की तरफ मुड़े।

कॉलेज खत्म करते ही नौकरी करने लगे- परकिन रोचा ने होटल मैनेजमेंट पूरा करते ही इंटर कांटिनेंटल होटल में नौकरी करने लगे। वहां नौकरी करते हुए भी पढ़ाई करते रहे ताकि ग्रोथ में कोई कमी नहीं रहे। इसके बाद वह कुछ अन्य होटलों में नौकरी की।फिर वह दिल्ली के बसंतकुंज स्थित जेपी बसंत कांटिनेंटल ज्वॉइन कर लिया। साल 2003 में होटल लेमन ट्री शुरू हो रहा था। वह उसके शुरुआती टीम का हिस्सा बने। वहां वह पटु केसवानी और रतन केसवानी के साथ मिल कर लेमन ट्री की सफलता की कहानी लिखी। वहां वह जीएम थे। उनकी अगुवाई में लेमन ट्री के कई होटल लॉन्च हुए। दरसअल लेमन ट्री के संस्थापक पीजी केसवानी भी दिल्ली के सेंट कोलम्बाज स्कूल से ही पढ़े हैं। इसलिए उनसे उनकी खूब छनती थी।

रॉयल आर्किड होटल्स के बोर्ड मेम्बर लेकिन...- कई संस्थानों में नौकरी करते हुए वह बेंगलुरु के रॉयल आर्किड होटल्स में एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट बन गए थे। वह कंपनी के बोर्ड में शामिल हो गए थे। लेकिन वह चाहते थे कि उनका भी अपना होटल हो। होटल के सहकर्मी और प्रोमोटर इसके लिए प्रोत्साहित भी करते थे। इस बीच उनके साथ ऐसी घटना हुई कि उनकी दिशा ही बदल गई और महानगर से निकल कर धार्मिक स्थान पर होटल और रिसॉर्ट खोलने लगे।

लैला के निधन ने बदल दी जिंदगी

आजकल बहुत से लोग घर में पालतू पशुओं को पालते हैं। परकिन के पास भी एक घरेलू पेट थी जिनका नाम था लैला। उससे पूरा परिवार घुला-मिला था। बीते साल लैला का निधन हो गया। इससे वह काफी व्यथित हुए। उन्होंने उसका अंतिम संस्कार किया और उसकी आत्मा की शांति के लिए अवशेष लेकर हरिद्वार गए थे। वहीं गंगा के किनारे वह बैठे थे, तभी मन में विचार आया कि यहां गंगा तट पर उनका होटल खुलना चाहिए। बस उन्होंने बड़ी कंपनी की नौकरी छोड़ने का मन बना लिया। इसके बाद ही इको होटल्स एंड रिसॉर्ट्स की नींव पड़ी।

हरिद्वार में खुला पहला होटल

उन्होंने पहला होटल हरिद्वार मेंगंगाकेकिनारे खोला। इसके लिए चुकम्बर होटल्स प्राइवेट लिमिटेड सेताजग्रुप ऑफहोटल्सकेपीलीभीतहाउसकेपास 35 कमरोंयाकीज वाला होटल 15 साल के लॉन्ग टर्म लीज पर लिया। यह होटल गंगा के किराने अवस्थित है। पहले उस होटल का पूरी तरह से कायाकल्प किया। उसके बाद उसे गेस्ट के लिए खोल दिया। इसके बाद ऋषिकेश में चन्द्रभागा नदी के तट पर 32 कीज का होटल लॉन्ग टर्म लीज पर लिया। इसका भी कायाकल्प करके खोला गया। इसके बाद ऋषिकेष में ही एक और होटल खोला गया।

पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक, प्रीति पाल भी शीर्ष पर रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने शुक्रवार को सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की भाला फेंक (एफ12 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन से इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चयन निर्भर करेगा।हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा का स्वर्णिम प्रदर्शन एफ40 एवं एफ41 भाला फेंक वर्ग में भी जारी रहा। पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेन्द्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

गिरने के कारण दौड़ पूरी नहीं कर पाए अविनाश साबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर पाए। हालांकि, तेजी से उभरते धावक अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के एक आदिवासी गांव में जन्में कुजूर ने भारतीय पुरुष स्प्रिंटिंग में नई उम्मीद जगाई है। अब कुजूर की नजर सितंबर 2025 में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 20.16 सेकंड के कठिन क्वालिफाइंग मार्क पर है। अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में 10 सेकंड की बाधा को तोड़ने का संकल्प लिया है। ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी, लेकिन शुक्रवार 11 जुलाई की रात वह दौड़ की शुरुआत में ही ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन अविनाश साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अब तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं।

टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

लंदन, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है।

पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ। लेकिन, अल्काराज ने अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिभा से दोनों सेट पॉइंट बचा लिए। अल्काराज ने लगातार चार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया।

विंबलडन 2025 में पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा। अल्काराज का फाइनल में टॉप सीड यानिक सिनर और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से सामना होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है।

अल्काराज एक बेहद खास क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। अगर वह रविवार को फाइनल जीत जाते हैं, तो वह इतिहास के सिर्फ पांचवें ऐसे व्यक्ति होंगे, जो लगातार तीन विंबलडन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं, अगर अल्काराज जीतते हैं, तो यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब होगा।

संन्यास की अटकलों पर आया जोकोविच का बयान, बोले- यह मेरा आखिरी विंबलडन...

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। अब सिनर का सामना अल्कारेज से होगा।

सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।

चोट पर भी की बात

जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था या उम्मीद की थी। जोकोविच ने इस साल अभी तक तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह चोट के कारण पहले सेट के बाद बाहर हो गए थे जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सिनर ने उन्हें फाइनल में नहीं पहुंचने दिया।

मैं थक गया हूं...

बुमराह ने अचानक ऐसा क्यों बोल दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया. इसके साथ ही उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया.उन्होंने लॉर्ड्स के मैदान में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजी लाइनअप को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया. हालांकि जसप्रीत बुमराह को विकेट लेने के बाद ज्यादा सेलिब्रेट करते हुए नहीं देखा गया. इसका खुलासा बुमराह ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद किया. उन्होंने कहा कि वो थक गए हैं. अब सवाल ये उठता है कि आखिरी बुमराह ने ऐसा क्यों कहा?

जसप्रीत बुमराह ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैंने इसलिए सेलिब्रेट नहीं किया क्योंकि मैं थक गया था. मैं 21 या 22 साल का नहीं हूं कि पूरे ग्राउंड पर उछलता रहूंगा. मैं सिर्फ अपने मार्क में वापस जाना चाहता था और फिर से गेंदबाजी करना चाहता था. लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में भारतीय तेज गेंदबाज ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को आउट किया. यही नहीं उन्होंने हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स और जोफ्रा आर्चर को भी वापस पवेलियन की राह दिखाई.

जिंदगी का कोई भरोसा नही...

जोटा की मौत से टूटे रोनाल्डो के फैन मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि लिवरपूल के फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत की खबर सुनकर वह काफी भावुक हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जैमी स्मिथ का विकेट लेने के बाद उनकी प्रतिक्रिया पुर्तगाली फारवर्ड के प्रति श्रद्धांजलि थी।स्मिथ को आउट करने के बाद सिराज ने अपनी उंगलियों से '20' (लिवरपूल में जोटा की जर्सी नंबर जिसे अब रिटायर कर दिया गया है) का अंक बनाया और फिर इस फुटबॉलर के सम्मान में दोनों हाथ आसमान की ओर उठाए, जिनकी तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में ड्यूक्स बॉल पर क्यों हो रहा विवाद!

लंदन, एजेंसी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा है. फिलहाल 10 जुलाई से लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच जारी है. 5 मैचों की सीरीज में ड्यूक बॉल का इस्तेमाल हो रहा है. लेकिन खिलाड़ी इसकी क्वालिटी से खुश नहीं दिख रहे हैं. लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भारत को दो बार बॉल बदलनी पड़ी. खिलाड़ी बॉल की क्वालिटी से खुश नहीं थे. ड्यूक्स कंपनी की शुरुआत 1760 में ड्यूक्स परिवार ने की थी. अब इस कंपनी के मालिक भारतीय बिजनेसमैन दिलीप जाजोदिया हैं, जिन्होंने इसे 1987 में खरीदा था.

अब इस पूरे मसले पर दिलीप जाजोदिया ने सफाई दी है. उन्होंने खिलाड़ियों से धैर्य रखने को कहा है. खास बात यह है कि यह गेंद मेरठ से यूके आती है, फिर इंग्लैंड में उनका फाइनल टच दिया जाता है. उन्होंने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी, जिसकी शुरुआत 18वीं सदी में हुई थी. यूके के असामान्य रूप से गर्म मौसम और आज के दौर की क्रिकेट की मांगों को ध्यान में रखते हुए बॉल में सुधार करने के लिए तैयार है. जहां बल्लेबाज भारी बल्लों से बॉल पर जोरदार प्रहार कर रहे हैं.

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन की सुबह के सेशन में ड्यूक्स बॉल दो बार बदली गई. 10 ओवर पुरानी बॉल बदली जाने के बाद भी भारतीय खिलाड़ी काफी नाखुश थे, जिसके चलते कुछ ही मिनटों में दोबारा बॉल बदलनी पड़ी. जाजोदिया ने कहा- दुनिया में सिर्फ तीन मान्यता प्राप्त क्रिकेट बॉल निर्माता हैं (ड्यूक्स, स्त और कूकाबुरा). क्रिकेट बॉल बनाना आसान नहीं है. अगर यह आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते. जाजोदिया ने कहा- इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि हम चुपचाप बैठे नहीं रह सकते, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, और अगर कोई समस्या है, तो इसका रिव्यू होगा. हम देखेंगे कि समस्या कहां है, चाहे वह चमड़े में कोई खराबी हो या किसी और चीज में, हम इसकी जांच करेंगे. मैं पैर ऊपर करके सिगार पीने नहीं जा रहा हूं.

एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत में पाकिस्तान के आने की संभावना कम

मुंबई,। भारत में एशिया कप हॉकी और जूनियर हॉकी विश्व कप का आयोजन होना है। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तानी टीम को आने को लेकर सकारात्मक रुख रखा गया है। लेकिन पाकिस्तान सरकार इन आयोजनों के लिए अपनी सीनियर और जूनियर टीम को भारत नहीं भेजने का विचार कर रही है। पाकिस्तान को 27 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में भाग लेना है, जिसके लिए पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सरकार से मंजूरी मांगी है। पाकिस्तान को इस साल नवंबर-दिसंबर में चेन्नई में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भी भाग लेना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए शहजाद शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार द्वारा राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत आने की अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने कहा कि गठबंधन सरकार के सदस्यों का मानना है कि दोनों पड़ोसियों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद टीम भेजना सुरक्षित नहीं होगा। दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि सरकार से स्पष्ट नहीं सुनने के बाद पाकिस्तान हॉकी महासंघ एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से मांग करेगा कि वे इन प्रतियोगिताओं को मलेशिया या ओमान जैसे किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करें। पीएचएफ सूत्रों ने कहा, पीएचएफ इन आयोजनों को भारत से बाहर कराने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि मलेशिया और ओमान के पास इन आयोजनों के लिए बोली लगाने के लिए जरूरी धनराशि नहीं है, जो लगभग एक लाख डॉलर है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने पिछली बार 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा किया था, जहां वह छह टीमों में पांचवें स्थान पर रही थी। भारत ने यह प्रतियोगिता जीती थी। इस आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी।

भारत से हाल ही में आई रिपोर्टों से पता चला है कि अधिकारी पाकिस्तान को हॉकी आयोजनों में भाग लेने की अनुमति देने को तैयार हैं। हॉकी इंडिया ने यह भी कहा था कि उन्हें विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से अनुमति मिल गई है।

मोहित सूरी ने किया खुलासा...

छह साल की उम्र से ही स्टार बनना चाहती थीं आलिया भट्ट

मोहित सूरी, जो आशिकी 2, कलयुग और एक विलेन जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी चचेरी बहन और अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बताया। उन्होंने आलिया के बचपन की कुछ दिलचस्प यादें साझा कीं।

एक खबर के अनुसार, मोहित ने बताया कि आलिया छह साल की उम्र से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं और बहुत कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा दिखने लगी थी। उन्हें फिल्में, संगीत और अभिनय से बहुत प्यार था। मोहित ने 2005 की एक घटना का जिक्र किया, जब उनकी फिल्म जहर का एक रीमिक्स म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था। उस समय आलिया ने ही अपने पिता महेश भट्ट को समझाया था कि यह युवाओं को बहुत पसंद आएगा। मोहित ने आलिया को सुपर कमर्शियल बताया, जो हमेशा से जानती थीं कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा। मोहित ने एक पारिवारिक डिनर की याद भी साझा की, जब आलिया 8-9 साल की थीं। मोहित ने उनकी तस्वीर लेने की कोशिश की, तो आलिया ने तुरंत अपनी डिंपल वाली साइड दिखाई और कहा कि वह सही साइड से फोटो ले रहे हैं। मोहित ने कहा कि आलिया को हमेशा से पता था कि वह एक स्टार बनेंगी। मोहित अब अपनी नई फिल्म सैयारा के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसमें नए कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आएंगे।

आर. माधवन ने जब भी निभाया

रोमांटिक किरदार वो बन गया एक कल्ट क्लासिक

ऐसा बहुत कम होता है जब पर्दे पर दिखाया गया प्यार इतना सच्चा लगता है कि वो असली जज़्बातों की झलक देने लगे। और फिर आता है आर. माधवन इफ़ेक्ट – चाहे वो अलाईपायुथे हो या आप जैसा कोई, जब वह रोमांस चुनते हैं, तो वो कहानी कुछ ख़ास बन जाती है। नज़ाकत से निभाए गए किरदार, सह-कलाकारों के साथ तालमेल और भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से जुड़ाव, यह पैन इंडिया पावरहाउस कभी निराश नहीं करते, और वह सिर्फ़ रोमांटिक हीरो की भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि वो एक वजह बनते हैं जिसकी वजह से हम प्यार पर फिर से यक़ीन करने लगते हैं। चाहे लवरबॉय का चार्म हो या हालिया वर्षों की भावनात्मक गहराई से निभाया गया किरदार –आर. माधवन ने प्रेम के हर रूप को जिया है, कभी कोमलता से, तो कभी धैर्य से। उनके किरदार किसी तय पैटर्न पर नहीं चलते, बल्कि दिल के अलग-अलग पड़ाव दिखाते हैं। रहना है तेरे दिल में में उन्होंने हमें मैडी का किरदार दिया, जो बेबाक था मगर अंदर से नाज़ुक था, एक ऐसा प्रेमी जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की कोशिश करता है और दर्शकों को अपने पक्ष में कर लिया। अलाईपायुथे में वे कार्तिक बने, एक युवा जो प्यार में डूबा हुआ, और शादी के असली मतलब से अभिभूत। मिन्नाले में, उन्होंने एक अधूरा पर सच्चे प्रेमी की भूमिका निभाई–एक ऐसा इंसान जो सच को मोड़ता है, लेकिन अपनी भावनाओं को नहीं। और फिर तनु वेड्स मनु आई, जहाँ उन्होंने दिखाया कि प्यार मौन भी हो सकता है, सम्मानजनक और दिल तोड़ने वाला सच्चा भी हो सकता है। मनु के रूप में, वह ज़ोर-शोर से नहीं बोलते थे, लेकिन उनकी शांत निगाहें इंतज़ार, प्यार और फ्रीडम के बारे में बहुत कुछ कहती थीं। अब आप जैसा कोई में, श्रीरेणु के रूप में आर. माधवन एक ऐसे किरदार में है जो दिल से रोमांटिक हैं, लेकिन आत्मा से परिपक्व हैं।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक को मिला करीना का सपोर्ट, शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री करीना कपूर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म मालिक की रिलीज से पहले शुभकामनाएं भेजीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर राजकुमार राव की फिल्म मालिक के ट्रेलर का वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, पूरी टीम को शुभकामनाएं। कमाल कर दिया दोस्तों, ढेर सारा प्यार, कल सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें। राजकुमार राव की एक्शन थ्रिलर मालिक का फर्स्ट लुक उनके जन्मदिन पर जारी किया गया था। फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुलकित द्वारा निर्देशित फिल्म मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है। दिलचस्प बात यह है कि स्त्री अभिनेता ने अपने किरदार के लिए एक जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने 80 दिन से ज्यादा समय तक दाढ़ी बढ़ाई ताकि उनका लुक स्क्रीन पर दमदार लगे। फिल्म के निर्देशक पुलकित ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए करवाया क्योंकि वह चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक दमदार और ताकतवर अहसास नजर आए।

इस तरह का लुक फिल्म में उनके किरदार को असरदार और वास्तविक बनाएगा। पुलकित ने कहा, हम चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक ऐसी ताकत दिखे जो अंदर से आए, कुछ ऐसा जो सच्चा, थोड़ा रफ और बिना बनावट के लगे। राजकुमार ने इस किरदार के लिए खुद को शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने करीब तीन महीने तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका किरदार वास्तविक लगे। कुछ दिन पहले फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया था, जिसमें अभिनेता पहली बार गैंगस्टर का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर लगभग 2 मिनट 45 सेकंड का है। कहानी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें साल 1988 का दौर दिखाया गया है। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसमें मेधा शंकर, अनिल झमाझम और ऋषि राज भसीन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

यार को ज्यादा गंभीरता से लें, तो यह 'मुश्किल' हो जाता है: शब्बीर अहलूवालिया

शब्बीर ने यार के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर इसे बहुत गंभीरता से लिया जाए, तो यह मुश्किल हो सकता है। सीरियल 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' के संदर्भ में शब्बीर ने कहा, प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं। प्यार तो अपने आप खिलता है। अगर आप इसे स्वाभाविक रूप से होने दें, तो यह बहुत खूबसूरत है। शब्बीर ने शो में अपने किरदार युग और उसकी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका कैरी के प्यार पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कैरी के लिए प्यार ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन युग को प्यार करना? ओह, अगर मैं कैरी होता, तो शायद ऐसा नहीं करता! शब्बीर ने साल 1999 में 'हिप हिप हुर्रे' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'कहीं तो मिलेंगे', 'काव्यांजलि', 'कसम से', 'कसौटी जिंदगी की', 'लागी तुझसे लगन' और 'कयामत' जैसे सीरियलों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता। उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। जब शब्बीर से पूछा गया कि क्या सोनी सब के 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में उनका किरदार युग भी पुराने अन्य किरदारों की तरह जादू चला पाएगा, इस पर शब्बीर ने कहा, मुझे उम्मीद है। युग एक ऐसा किरदार है जो आम नहीं है। वह जिंदगी के प्रति नकारात्मक और ज्यादा खुला हुआ नहीं है।

13 वर्षों का लंबा संघर्ष, 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में पंकज त्रिपाठी की पत्नी बन छाई खुशबू

क्रिमिनल जस्टिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे चर्चित वेब सीरीज है। इस सारीज का चौथा सीजन भी रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस सीजन में अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो माधव मिश्रा के किरदार में नजर आए हैं। इसके अलावा सीरीज में उनकी पत्नी की भूमिका खुशबू अत्रे ने निभाई है, जो रत्ना मिश्रा के रूप में नजर आई हैं। अपनी शानदार एक्टिंग से एक्ट्रेस ने सबके दिलों में एक खास जगह बनाई है और अब हर कोई उन्हें करीब से जानना चाह रहा है। चलिए जानते हैं कि कौन हैं खुशबू अत्रे।

कौन हैं खुशबू अत्रे?

क्रिमिनल जस्टिस 4 सीरीज में खुशबू अत्रे एडवोकेट माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) की पत्नी रत्ना मिश्रा का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री मध्यप्रदेश के भरवाहा की रहने वाली हैं। शुरुआत में खुशबू अत्रे ने कई नाटक किए, जहां उनके अभिनय को धार मिली। इसके बाद उन्होंने अपने करियर की आधिकारिक शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। साल 2012 में अभिनेत्री ने टीवी के पॉपुलर शो पवित्र रिश्ता से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरीयल्स में काम किए, जैसे- उड़ान, साथ निभाना साथिया आदि।

ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है

सोन ऑफ सरदार 2 को लेकर कूब्रा सैत के लिए एक खास पल

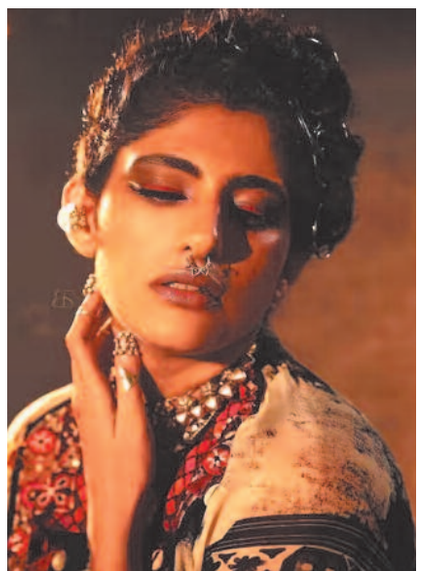

कूब्रा सैत के लिए सोन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ एक और ग्लैमरस इवेंट नहीं था, बल्कि उनके करियर का एक बेहद खास और पर्सनल माइलस्टोन था। दमदार परफॉर्मेंस और बेबाक किरदारों से अपनी अलग पहचान बना चुकीं कूब्रा पहली बार किसी बड़ी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनीं। इस पल को लेकर उन्होंने कहा- ये मेरे लिए वाकई बहुत खास है। ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है और इतनी बड़ी फिल्म और शानदार टीम का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं है। फिल्म में मेहविश का किरदार निभा रहीं कूब्रा इवेंट में ढोल की बीट्स पर डांस करते हुए एंट्री करती दिखीं–जिससे फिल्म की एनर्जी साफ झलक रही थी। वह अपने बोल्ड लेकिन ग्रेसफुल लुक में काफी खूबसूरत नजर आईं और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ यह पल जिया। फ्रेंचाइज़ी की यादों को ताज़ा करते हुए उन्होंने कहा- सोन ऑफ सरदार को रिलीज़ हुए 12 साल हो गए हैं। मैंने भी इसे बाकी लोगों की तरह सिनेमाघर में देखा था। उस वक़्त जो दीवानगी थी, वो अलग ही लेवल की थी। अब जब मैं इसके दूसरे भाग का हिस्सा हूं, तो ये मेरे लिए एक पूरा सर्कल पूरा होने जैसा है। सेट पर बने रिश्तों को लेकर कूब्रा ने कहा- मुझे रोशनी, अश्विनी मैम, शरद सर, चंकी सर और कई और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। मृणाल (ठाकुर) और अजय सर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी बेहद खास रहा। हम साथ में खाते थे, खूब हँसी-मजाक करते थे और ढेर सारी यादें बनाई हैं।

नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था। रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उस फिल्म में दोनों ही एक्टर फिल्मी बैकग्राउंड से थे। रीवा ने नेपोटिज्म पर खुलकर बातें भी की थीं और कहा था कि उन्हें नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी। इसके अलावा भोजपुरी फिल्मों में काम करने की दूसरी शर्त ये रखी कि वो फिल्म डैड (रवि किशन) प्रड्यूस करें, क्योंकि उन्हें यकीन है कि पापा कुछ अमेजिंग लेकर आ सकते हैं।

अभिनय के साथ संगीत में भी शुभांगी अत्रे की रुचि, बोलीं- मेरी आत्मा में बसा है यह

टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनकी एक्टिंग के साथ ही म्यूजिक में भी गहरी रुचि है। संगीत उनकी आत्मा में बसा है और यह प्यार उन्हें अपने माता-पिता की गायकी और मधुर संगीत के प्रेम से मिला। शुभांगी हाल ही में 'काहे सैंया' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। बातचीत में शुभांगी ने अपने बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया, संगीत मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मैं अपनी मां को रसोई में काम करते हुए गाते देख बड़ी हुई हूं। मेरे पिता को गजल बहुत पसंद है, इसलिए घर में हमेशा सुना करते थे। आज भी मैं दिन की शुरुआत मंत्रों से करती हूं और रात को जैज या फ्यूजन सुनती हूं। संगीत मेरी आत्मा में बसा हुआ है। संगीत में योगदान देना मेरा सपना था और मेरा नया गाना इस दिशा में एक छोटा कदम है। शुभांगी ने बताया कि यह 'काहे सैंया' गाना उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक कदम नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी है। उन्होंने कहा, जब मैंने राग जोग पर आधारित यह गाना सुना, जिसमें करुण रस की छाप है, तो मैं भावुक हो गई। इसमें गहरी पीड़ा और भावनाओं की पुट है और इसी चीज ने मुझे इसे एक विजुअल स्टोरी के रूप में पेश करने के लिए प्रेरित किया। गाना सुनते ही मेरे दिमाग में वो सीन उभर आए। मैं दर्शकों को सिर्फ गाना नहीं, बल्कि एक कहानी के साथ खास अनुभव भी देना चाहती थी। शुभांगी ने इस म्यूजिक वीडियो के साथ निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उन्होंने बताया कि यह कदम उठाने की प्रेरणा उन्हें उस इंडस्ट्री से मिली, जिसने उनकी जिंदगी को आकार दिया।

साभार एजेंसी

बॉलीवुड की स्टार पत्नियों की कहानी को दिखाएंगे मधुर भंडारकर, 'द वाइव्स'

अपनी कहानियों के जरिए फैशन और ग्लैमर इंडस्ट्री के पीछे की कहानी दिखाने वाले निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को दिखाने की कोशिश करेंगे। उनकी फिल्म 'द वाइव्स' बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस महिलाओं के पीछे छिपी अनकही सच्चाई को उजागर करेगी। फिल्म आज से फ्लोर पर आ गई है। इस फिल्म की घोषणा मेकर्स ने इस साल की शुरुआत में की थी। 'द वाइव्स' में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आज से शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म को लेकर मधुर भंडारकर का कहना है कि 'द वाइव्स' के साथ मैं समाज की एक और ग्लैमरस परत को हटाना चाहता हूं और दिखाना चाहता हूं कि असल में इसके पीछे क्या छिपा है। यह फिल्म उन महिलाओं के रहस्यों, संघर्षों और लचीलेपन पर एक बोल्ड और बेबाक नजरिया पेश करेगी.